RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 242 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 02-04-2026 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी सरकार ने आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया : मल्लिकार्जुन खरगे

6 हनुमान जयंती : भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

7 सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल

फर्स्ट टेक

सोना, चांदी आभूषणों के आयात पर तत्काल प्रभाव से लगी पाबंदियां

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कथित दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के मकसद से बुधवार को सोना, चांदी और प्लैटिनम आभूषणों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधात्मक शर्तें लागू कर दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, सीमा शुल्क वर्गीकरण शीर्ष 7113 के तहत आने वाले इन उत्पादों की आयात नीति को 'मुक्त' से बदलकर 'प्रतिबंधित' कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब सोना, चांदी एवं प्लेटिनम से बने आभूषणों का आयात करने के लिए डीजीएफटी से लाइसेंस या पूर्व-अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

चीन और भूटान ने निर्विवाद क्षेत्रों में सीमा निर्धारण पर चर्चा की

बीजिंग/भाषा। चीन और भूटान ने बुधवार को उन क्षेत्रों में सीमा निर्धारण पर चर्चा की, जहां ''कोई विवाद नहीं है''। दोनों पक्षों ने अपने सीमा मुद्दों पर 15वीं विशेषज्ञ समूह की बैठक के दौरान ये चर्चा की। वार्ता के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि यहां आयोजित विशेषज्ञ समूह की बैठक में दोनों पक्षों ने हाल के वर्षों में चीन-भूटान सीमा वार्ता में हुई प्रगति की पुष्टि की। इसमें कहा गया है कि दोनों पक्षों ने तीन-चरणीय रूपरेखा के कार्यान्वयन में और प्रगति करने के लिए मैत्रीपूर्ण माहौल में रचनात्मक चर्चा की। बयान में कहा गया है कि दोनों पक्ष सीमा वार्ता की गति को बनाए रखने और आपसी सहमति से सुविधाजनक तिथियों पर भूटान में विशेषज्ञ समूह की बैठक का अगला दौर आयोजित करने पर सहमत हुए।

रूस ने यूक्रेन के लुहांस्क पर पूर्ण नियंत्रण का किया दावा

कीव/एपी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को दावा किया कि रूसी सशस्त्र बलों ने यूक्रेन के पूरे लुहांस्क क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है। हालांकि यूक्रेन के एक सैन्य अधिकारी ने इस दावे का खंडन किया है। ये दावे-प्रतिदावे ऐसे समय में किये गये हैं जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिकी दूतों के साथ वार्ता की तैयारी में जुटे हैं। ये अमेरिकी दूत रूस के आक्रमण पर पूर्ण विराम के लिए मध्यस्थता प्रयास कर रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''ग्रुप ऑफ फोर्सेज वेस्ट की इकाइयों ने लुहांस्क पीपुल्स रिपब्लिक को पूरी तरह से मुक्त करा लिया है।'' हालांकि, यूक्रेन के संयुक्त बल के प्रवक्ता विक्टर ट्रेहुबोव ने कहा कि उस क्षेत्र में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

02-04-2026 सूर्यास्त	03-04-2026 सूर्योदय
6:31 बजे	6:14 बजे

BSE	NSE
73,134.32	22,679.40
(+1,186.77)	(+348.00)

सोना	चांदी
15,748 रु.	251,698 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सोने के टुकड़ों के लिए

एलडीएफ ने भगवान अयप्पा के साथ किया विश्वासघात : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को आरोप लगाया कि भगवान का अपना घर कहे जाने वाले केरल में भगवान सुरक्षित नहीं हैं क्योंकि सत्तारूढ़ एलडीएफ ने सोने के कुछ टुकड़ों के लिए भगवान अय्यप्पा के साथ विश्वासघात किया।

वह स्पष्ट रूप से सबरीमाला सोने की चोरी के मामलों का संदर्भ दे रहे थे।

परवूर विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि जिस तरह जूडस (इस्कैरियट) ने यीशु मसीह को धोखा दिया, उसी तरह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने भगवान अय्यप्पा को धोखा दिया।

■ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आगे आरोप लगाया कि एलडीएफ का अर्थ लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ का अर्थ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है।

उन्होंने एलडीएफ और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर केरल की जनता के साथ विश्वासघात करने, समाज को विभाजित करने, राज्य की अर्थव्यवस्था को नष्ट करने और जनता से किए गए वादों को पूरा न करने का भी आरोप लगाया।

रक्षा मंत्री ने चुनावी भाषण के दौरान यह भी आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ दोनों में 'फ्रंट' (मोर्चा) शब्द का अर्थ भ्रष्टाचार का मोर्चा है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि एलडीएफ का अर्थ लूट, विभाजन और विफलता है, जबकि यूडीएफ का अर्थ अविश्वास, बेईमानी और धोखाधड़ी है।

कांग्रेस की प्राथमिकता लोगों का हित नहीं, बल्कि अपने परिवारों का हित है : प्रधानमंत्री

कांग्रेस सत्ता में आई तो वह असम में घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाएगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोगामुख/बेहाली (असम)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव अभियान की शुरुआत की। उन्होंने राज्य में लोगों के आशीर्वाद से अपनी पार्टी के जीत की 'हैट्रिक' लगाने का भरोसा जताया। साथ ही कहा कि कांग्रेस असम चुनाव में हार का शतक लगाएगी।

मोदी ने आरोप लगाया कि अगर कांग्रेस असम में सत्ता में आई तो वह घुसपैठियों की रक्षा के लिए कानून लाएगी, लेकिन भाजपा और उसके सहयोगी ऐसा होने नहीं देंगे।

मोदी ने अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत डिब्रूगढ़ जिले के मनोहारी चाय बागान के दौरे से की, जहां उन्होंने महिला श्रमिकों के साथ चाय की पत्तियां तोड़ीं और उनसे बातचीत की।

■ कांग्रेस का लक्ष्य बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक में बदलना और घुसपैठियों का एक स्थायी वोट बैंक बनाना है।

■ मोदी ने कांग्रेस पर देश को उसी तरह बांटने का आरोप लगाया, जैसा विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने किया था।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, चाय असम की आत्मा है! यहां की चाय ने पूरी दुनिया में अपनी जगह बनाई है। मैं आज सुबह डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान में गया और वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की। यह एक बहुत ही यादगार अनुभव था। असम में अगले हफ्ते मतदान से पहले मोदी के एक चाय बागान का दौरा करने के अहम निहितार्थ हैं, क्योंकि राज्य के 850 से ज्यादा चाय बागानों में काम करने वाले श्रमिक एक बड़ा 'वोट बैंक' हैं।

मोदी ने धेमाजी जिले के गोगामुख में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यक में बदलना और घुसपैठियों का एक स्थायी वोट बैंक बनाना है। उन्होंने दावा किया कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले कांग्रेस ने केंद्र में एक कानून लाने की कोशिश की थी, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने उसका विरोध किया था।

मोदी ने कांग्रेस पर देश को उसी तरह बांटने का आरोप लगाया, जैसा विभाजन के दौरान मुस्लिम लीग ने किया था। प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान को भी आघात पहुंचाया है।

तीसरी से आठवीं कक्षा तक के लिए

शिक्षा मंत्री प्रधान ने शुरू किया कृत्रिम बुद्धिमत्ता का पाठ्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को तीसरी से आठवीं कक्षा तक के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' पाठ्यक्रम की शुरुआत की। मंत्री ने कहा कि इस पाठ्यक्रम से औपचारिक रूप से स्कूली परिवेश में एआई शिक्षा की शुरुआत होगी।

प्रधान ने कहा, ''इस पाठ्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में भविष्य के लिए तैयार शिक्षा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम है। यह पहल औपचारिक रूप से स्कूलों के समग्र वातावरण में एआई शिक्षा की शुरुआत कराती है।''

उन्होंने कहा कि इस पहल के जरिये छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों से शुरुआती स्तर पर ही रूबरू कराया जा सकेगा, जो उनके लिए भविष्य की मजबूत नींव होगी।

प्रधान ने कहा कि 'शिक्षा के लिए एआई, शिक्षा में एआई' की परिकल्पना के अनुरूप, यह बेहतर शिक्षा की दिशा में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है, जो युवा दिमागों में आलोचनात्मक सोच, डिजाइन अभिविन्यास और नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

सीबीएसई ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और 'कम्प्यूटेशनल थिंकिंग' के पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा

हम समुद्र के रास्ते पाकिस्तान पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाले थे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय नौसेना समुद्र से पाकिस्तान पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाली थी, जब उन्होंने (पाकिस्तान ने) सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया।

वह यहां नौसेना अलंकरण समारोह में बोल रहे थे, जहां उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के बाद पिछले साल चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी विशिष्ट सेवा के लिए दो शीर्ष नौसेना अधिकारियों को युद्ध सेवा पदक से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय नौसेना की अनुकरणीय तत्परता और दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित किया, क्योंकि इसकी इकाइयों ने त्वरित तैनाती की और पूरी अवधि के दौरान अत्यधिक आक्रामक रुख बनाए रखा।

उन्होंने अभियान में नौसेना की भूमिका पर कहा, यह अब कोई छिपी हुई बात नहीं है कि जब पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई रोकने का अनुरोध किया, तब हम समुद्र से उस पर कुछ ही मिनट में हमला करने वाले थे। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान त्वरित और दृढ़ कार्रवाई के माध्यम से भारतीय नौसेना ने अपनी क्षमताओं में राष्ट्र के विश्वास और भरोसे को मजबूत किया।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर और पूरे वर्ष की निरंतर परिचालन गति के अलावा, हमें पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना के साथ ऐतिहासिक 17 घंटे की रात्रिकालीन यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री के समक्ष अपनी परिचालन क्षमताओं की व्यापकता और गहराई का प्रदर्शन करने पर भी बहुत गर्व हुआ।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब से अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध शुरू हुआ है, तब से इस क्षेत्र में 20 से अधिक वाणिज्यिक जहाजों पर हमले हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष के बीच लगभग 1,900 जहाज फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले जहाजों की दैनिक संख्या संघर्ष से पहले के लगभग 130 के औसत से घटकर छह-सात रह गई है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय के बाहर धमाका, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के यहां स्थित कार्यालय के बाहर बुधवार शाम हुए विस्फोट से अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने बताया कि धमाका किसी देसी उपकरण के फेंके जाने से हुआ प्रतीत होता है। किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम विस्फोट की जांच के लिए घटनास्थल पर पहुंची। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब पांच बजे हुआ।

भाजपा की प्रदेश इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़ ने इसे पार्टी कार्यालय पर हमला करार दिया।

इस बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें अपने हाथ में हेलमेट लिए हुए एक व्यक्ति हथगोले जैसी वस्तु फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरा व्यक्ति इस कृत्य को रिकॉर्ड कर रहा है। वस्तु फेंके जाने के बाद, दोनों भागने लगे और फिर धमाके की आवाज सुनाई दी। दस सेकंड के वीडियो में उनके चेहरे दिखाई नहीं दे रहे थे।

ईरान को व्यवस्थित तरीके से कुचला जा रहा है, देर-सवेर उसका ढहना तय : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। ईरान के खिलाफ युद्ध में ''बड़ी उपलब्धियों'' की प्रशंसा करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार शाम कहा कि इजराइल-अमेरिका का संयुक्त अभियान इस्लामी शासन को ''व्यवस्थित तरीके से कुचल रहा है'' और इस यहूदी राष्ट्र के सामने मौजूद अस्तित्वगत खतरों को खत्म कर रहा है।

यहूदी पर्व 'पेसाच' (पासओवर) से पहले हिब्रू में राष्ट्र को संबोधित करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि ''देर-सवेर'' ईरानी शासन गिर जाएगा और इजराइल, तेहरान से उत्पन्न साझा खतरे के खिलाफ ''क्षेत्र के महत्वपूर्ण देशों के साथ नए गठबंधन'' बना रहा है।

इजराइली प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन संक्षेप में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ''जल्द ही मैं आपको इन महत्वपूर्ण गठबंधनों के बारे में और बता पाऊंगा।''

नेतन्याहू ने कहा, ''स्वतंत्रता पर्व की पूर्व संध्या पर इजराइल पहले से कहीं अधिक मजबूत है। पूरी दुनिया ईरान के दुष्ट शासन के खिलाफ हमारी लड़ाई में हमारी दहाड़ सुन रही है, एक ऐसी लड़ाई जिसमें हमने अपार उपलब्धियां हासिल की हैं।''

पाकिस्तान और अफगान तालिबान ने चीन में वार्ता फिर शुरू की

इस्लामाबाद/एपी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने चीन में बातचीत फिर से शुरू कर दी है। चीन एक महीने से अधिक समय से जारी लड़ाई के बाद दोनों पक्षों के बीच स्थायी युद्धविराम कराने के लिए मध्यस्थता कर रहा है। दो पाकिस्तानी अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। चीन के मध्यस्थता प्रयासों के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि वार्ता का उद्देश्य मौजूदा लड़ाई को समाप्त करना है।

ईरान के खिलाफ युद्ध में ब्रिटेन 'घसीटा नहीं जाएगा': प्रधानमंत्री स्टार्मर

लंदन/भाषा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बुधवार को कहा कि ईरान के खिलाफ युद्ध में ब्रिटेन को ''घसीटा नहीं जाएगा'' और उन्होंने घोषणा की कि वे इस सप्ताह होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए सभी व्यवहार्य कूटनीतिक तथा राजनीतिक उपायों पर चर्चा करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। स्टार्मर ने डाउनिंग स्ट्रीट में एक प्रेसवार्ता की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नाटो पर की गई हालिया टिप्पणियों को ''एक तरह का हल्ला'' कहकर खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध का प्रभाव ''हमारे देश के भविष्य को प्रभावित करेगा''।

होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करना 'हमारी जिम्मेदारी नहीं': ट्रंप

दुबई/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध में सहयोग देने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाने वाले मित्र देशों के लिए कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी अमेरिका की नहीं है।

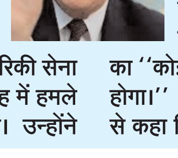

राष्ट्रपति ने अनुमान जताया कि अमेरिकी सेना दो से तीन सप्ताह में हमले खत्म कर देगी। उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा बाधित किए गए होर्मुज जलडमरूमध्य में क्या होता है, उससे अमेरिका का ''कोई लेना-देना नहीं होगा।'' उन्होंने पत्रकारों से कहा कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खुला रखने की जिम्मेदारी उन देशों की है जो इस पर निर्भर हैं।

ट्रंप ने कहा, ''यह हमारा काम नहीं है। यह फ्रांस का काम होगा। यह उनका काम होगा, जो इस जलडमरूमध्य का इस्तेमाल कर रहे हैं।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बक-झक

इक दूजे को देते धत्ता,
करते नित प्रति चिक चिक हैं।
आरोपों प्रत्यारोपों से,
करते केवल झिक झिक हैं।
गोल नहीं होता है उनसे,
मार रहे कोरी किक हैं।
कहते हैं वे स्वस्थ स्वयं को,
पर सचमुच में वे सिक हैं।।

टी-दासरहल्ली में श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया महावीर जन्मकल्याणक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन महावीर मंडल टी–दासरहल्ली में मंगलवार को प्रभु महावीर का 2625वां जन्मकल्याणक पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। मंडल के अध्यक्ष सुरेश चावत के नेतृत्व में सुबह भगवान महावीर की प्रतिमा को सूर्य रथ में विराजमान करके वरघोड़ा निकाला गया जिसमें सैंकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जैन मंदिर में महावीर जन्मकल्याणक के मौके पर प्रथम बार भव्य रूप से महावीर स्वामी का पूजन किया जिसमें 200 लोगों ने प्रभु महावीर की पूजा की। शाम को सांयकालीन भक्ति का आयोजन किया गया जिसमें भगवान महावीर स्वामी के स्तवन व भजनों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में प्रायोजक परिवारों का सम्मान किया गया। इस आयोजन में अध्यक्ष सुरेश चावत, प्रवीण बोहरा, हँसमुख बाबेल, परेश नंगावत, दिलीप पोखरना, राजेन्द्र जैन, ललित काल्या, मुकेश चावत सहित बड़ी संख्या में मंडल के सदस्यों ने सहयोग दिया। कार्यक्रम के अंत मे महावीर मंडल के सदस्यों ने सभी उपस्थित जनों को धन्यवाद दिया तथा प्रति वर्ष महावीर जन्मकल्याणक मनाने का वादा दिया।

‘विश्व नवकार महामंत्र’ के सामूहिक जाप के लिए ‘जीतो’ ने किया आह्वान

महावीर जन्म कल्याणक समारोह के मौके पर किया प्रचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रीडम पार्क में मंगलवार को आयोजित महावीर जन्म कल्याणक समारोह के मौके पर जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ व नार्थ चैप्टर द्वारा महावीर जन्म कल्याणक मनाया गया। जीतो साउथ चैप्टर के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी, जीतो नार्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया सहित अनेक पदाधिकारियों ने कहा कि यह समारोह भगवान महावीर की दया और अहिंसा की शिक्षाओं की याद दिलाता है। यह महोत्सव हमें सभी जीवों के साथ सद्भाव में रहने के लिए प्रेरित करता है।ङ्गइस आयोजन में जीतो द्वारा शुरू की गई विभिन्न पहल और परियोजनाओं को प्रदर्शित करने वाला एक समर्पित स्टॉल लगाया गया, जिसमें जेबीएन, जेआईआईएफ, जेपीएफ, जॉब्स, अल्पसंख्यक, मेट्रीमोनियल, गेम्स, आवास निवास, तीन जेएटीएफ हॉस्टल सुविधाएं, श्रमण आरोग्यम, जैन बंधु, संत विहार धाम के बारे में जानकारी दी गई। ये परियोजनाएं जैन समुदाय को लाभ पहुंचाने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने का लक्ष्य से बनाई गई है। ङ्गङ्गइस समारोह में जीतो पदाधिकारियों ने उपस्थित जनों को जीतो की प्रमुख राष्ट्रीय परियोजना के तहत 9 अप्रैल को विश्व शांति के लिए आयोजित होने वाले नवकार महामंत्र सामूहिक जाप कार्यक्रम की जानकारी दी। पदाधिकारियों ने बताया कि 9अप्रैल को सुबह 6:45 से आयोजन किया गया। सदस्यों को इस आयोजन में उपस्थित जनों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया और हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी किए गए। योजना के प्रचार के लिए पर्चे भी बांटे गए। इस मौके पर जीतो अपेक्स, केकेजी जोन, जीतो के दोनों चैप्टर, लेडीज विंग, यूथ विंग के पदाधिकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में जैन श्रावक श्राविकाओं ने स्टॉल का दौरा किया। इस मौके पर उपस्थित जनों ने जीतो के प्रयासों की सराहना की और आगामी विश्व नवकार मंत्र दिवस के लिए पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में नौकरी पर टिके रहने की प्रवृत्ति अधिक: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में संगठित क्षेत्र में काम करने वाली महिलाएं, पुरुषों की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक समय तक अपनी नौकरी में टिकी रहती हैं। बुधवार को जारी एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है, जो इस पुरानी धारणा को गलत साबित करती है कि महिलाएं जल्दी नौकरी छोड़ देती हैं।

वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) मंच 'सैलरी–से' द्वारा किए गए इस अध्ययन के आंकड़े 47,800 से अधिक ईपीएफओ (कर्मचारी भविष्य निधि संगठन) रिकॉर्ड के विश्लेषण पर आधारित हैं। इनमें मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों के वेतनभोगी पेशेवरों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं का नौकरी पर टिके रहने का औसत समय 10.6 महीने है, जबकि पुरुषों के लिए यह केवल 7.8 महीने है। वास्तव में केवल 36 प्रतिशत महिलाएं ही पहले छह महीनों के भीतर नौकरी छोड़ती हैं, जबकि पुरुषों के मामले में यह आंकड़ा 44 प्रतिशत है। हालांकि, नौकरी में अधिक स्थिरता के बावजूद काम करने वाले कुल लोगों में महिलाओं की भागीदारी अब भी काफी कम है। रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यबल में प्रत्येक 13 कर्मचारियों में से केवल एक महिला है, जो कुल ईपीएफओ रिकॉर्ड का मात्र 7.6 प्रतिशत है। विश्लेषण में यह भी पाया गया कि जो महिलाएं कार्यबल में शामिल होती हैं, वे लंबे समय तक काम करती हैं, लेकिन विभिन्न क्षेत्रों और भूमिकाओं में उन्हें मिलने वाले अवसरों में असमानता बनी हुई है। क्षेत्रवार आंकड़ों को देखें तो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग में महिलाओं की हिस्सेदारी 13.2 प्रतिशत रही, जो कुल औसत से लगभग दोगुनी है। शिक्षा क्षेत्र में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक 20.3 प्रतिशत दर्ज किया गया। इसके विपरीत, विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र में पुरुषों का दबदबा बना हुआ है, जहां महिलाओं की भागीदारी क्रमशः 3.6% और 3.2 प्रतिशत ही है।

संसार छोड़ने के लिए और संयम पालन के लिए है : गणिवर्य मनीषप्रभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में नवपद ओली के सप्तम दिवस को 'ज्ञान पद की आराधना' करवाते हुए गणिवर्य मनीषप्रभसागरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि परमात्मा ने जो कहा है, गणधरों ने रचना की है वही सच्चा और निःशंक ज्ञान है। संसार में जो भी दुःख है, वो सब हमारे अज्ञान के कारण है। ज्ञान के अभाव में हम देव, गुरु और धर्म की पहचान नहीं कर पा रहे हैं उसी कारण हमारा चार गति में भटकना जारी है। ज्ञान के अभाव में जो ग्रहण करना चाहिए उसे हम छोड़ देते हैं, तुच्छ चीजों को पकड़ के रखते हैं्। सही और गलत का निर्णय भी हम अज्ञान के कारण नही कर पा रहे हैं्। गणिवर्य ने कहा कि संसार छोड़ने के लिए और संयम पालन के लिए है। फिर भी हम संसार को ही अपना मान कर जी रहे हैं्। परमात्मा कहते है कि हे जीव, सबसे पहले तू स्वयं को अच्छी तरह से जान ले। स्वयं का ज्ञान होगा तभी आत्मा का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। ज्ञान से हमें विवेक, विनय, जयणा, करुणा, अहिंसा आदि का बोध हो सकता है। सद्ज्ञान के बिना जीव अपूर्ण है। हमें आज सद्ज्ञान की आराधना करनी है, जिससे हम सत्य–असत्य, भक्ष्य–अभक्ष्य, पुण्य–पाप आदि का सही ज्ञान प्राप्त कर सकें्। दर्शन, ज्ञान आदि गुण तो पंच परमेष्ठी के गुण वाले हैं्। पंच परमेष्ठी की आराधना तो उनकी पूजा अर्चना से हो सकती है और हम सभी नवकार मंत्र द्वारा करते भी हैं, जबकि दर्शन, ज्ञान आदि की पूजा सेवा हम बाह्य किसी भी वस्तु से नहीं कर पाते है। उनकी आराधना के लिए हमें अपने हृदय का समर्पण करना चाहिए्। शास्त्रों में दर्शन, ज्ञान आदि को रत्न दीपक की उपमा दी गई है। कोई भी दीपक को जलाना है तो हमें बाती, घी और दीपक का स्टेण्ड चाहिए, मगर रत्न दीपक को जलाने के लिए कोई भी वस्तु नहीं चाहिए, वो दीपक खुद ही प्रकाशमय है। संतश्री ने कहा कि जब ऐसा रत्न दीपक हमारे हृदय में आ जाए तब समझना कि हमारे हृदय में परमात्मा की प्रतिष्ठा हो चुकी है। संतश्री ने श्रीपाल मयणा सुन्दरी के जीवन म्ं नवपद की आराधना से आए बदलाव के बारे में बताया।

एटीएफ की कीमतें दोगुनी हुईं, घरेलू एयरलाइंस के लिए वृद्धि 8.5 प्रतिशत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक स्तर पर तेल कीमतों में आए उछाल के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत बुधवार को बढ़ाकर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से अधिक कर दी गई। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने घरेलू विमानन कंपनियों के लिए इसे 8.5 प्रतिशत तक सीमित रखा गया। ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत रुझानों के बीच वाणिज्यिक एलपीजी और प्रीमियम पेट्रोल की दरों में भी वृद्धि की गई।

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार, घरेलू एयरलाइन कंपनियों के लिए एटीएफ की कीमत में 8,289.04 रुपए प्रति किलोलीटर या 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। उन्हें विमान ईंधन 104,927.18 रुपए प्रति किलोलीटर की कीमत पर मिलेगा। पिछले महीने यह 96,638.14 रुपए प्रति किलोलीटर थी। इसके साथ ही, व्यावसायिक एलपीजी की कीमत में 195.50 रुपए प्रति सिलेंडर (19 किलोग्राम) की वृद्धि की गई।

देश में बिकने वाले चुनिंदा प्रीमियम या ब्रांडेड पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ाए गए हैं। इस प्रकार के ईंधन का इस्तेमाल दो से पांच प्रतिशत तक है। इससे 'एक्स्ट्रा ग्रीन' डीजल की कीमत 1.50 रुपए बढ़कर 92.99 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं 100 ऑक्टेन पेट्रोल (एक्सपी100) की कीमत 11 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 160 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है सामान्य या बिना ब्रांड वाले पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित हैं। साथ ही घरेलू खाना पकाने वाली गैस एलपीजी की दरें भी यथावत हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतें एक महीने में 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो जाने के बावजूद ''केवल 25 प्रतिशत (यानी 15 रुपए प्रति लीटर या 15,000 रुपए प्रति किलोलीटर) की आंशिक एवं चरणबद्ध बढ़ोतरी'' का भार ही विमानन कंपनियों पर डाला जा रहा है। नागर विमानन मंत्रालय ने भी इस आंकड़े का समर्थन किया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने दोनों आंकड़ों के बीच अंतर को यह कहते हुए स्पष्ट किया कि एक आंकड़ा सभी उपकर व करों सहित अंतिम दर को दर्शाता है, जबकि 25 प्रतिशत का आंकड़ा एटीएफ के ''आधार मूल्य'' पर की गई बढ़ोतरी को बताता है।

शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एटीएफ कीमतों में संशोधन के मामले में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया है, ताकि इसका प्रभाव न्यूनतम रहे।

जन विश्वास विधेयक लोकसभा में पारित

गोयल ने ‘विश्वास की संस्कृति’ बनाने वाला कानून बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि जन विश्वास विधेयक का उद्देश्य भरोसे की एक संस्कृति बनाना है और ''विश्वास की संस्कृति'' भय के आधार पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के आधार पर बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित कानून को इसी सोच के साथ लाया जा रहा है। गोयल ने 'जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026' पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि प्रस्तावित कानून में सबसे बड़ा यह प्रावधान किया गया है कि यह ''आपको सुधरने का मौका देता है।''

गोयल के जवाब के बाद सदन ने कुछ विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। उन्होंने कहा, ''कई ऐसे प्रावधान हैं, जिनमें छोटी–मोटी गलती होने पर पहले चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, गलती की तो दंड लगेगा और फिर यदि कुछ और गंभीर गलती करते हैं तो तीसरी बार दंड बढ़ जाएगा और अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा।'' मंत्री ने कहा कि इसे 'चरणबद्ध कार्रवाई' कहा जाता है और इससे व्यक्ति को सुधरने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, ''प्रस्तावित कानून का उद्देश्य विश्वास की एक संस्कृति बनाना है, 'कल्चर ऑफ ट्रस्ट' जो भय के आधार पर नहीं, बल्कि कर्तव्य के आधार पर हो। इस (प्रस्तावित) कानून को इसी सोच के साथ लाया गया है।'' गोयल ने कहा कि यह प्रस्तावित कानून दर्शाता है कि इस कर्तव्य भावना के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत बनाने के लिए ''हम सब तत्पर हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमारी कोशिश है कि दंड देने वाली गुलामी की जो मानसिकता थी, उसे न्याय में कैसे बदला जाए।''

प्रतियोगिता
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मल्लतहल्ली क्रिकेटर्स द्वारा मल्लतहल्ली स्थित एआईटी खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 14 टीमों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। अंत में मुणोत ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया।

बैंक की कर्ज वृद्धि में आ सकती है कमी, एनपीए बढ़ने की आशंका: क्रिसिल रेटिंग्स

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच घरेलू रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने वित्त वर्ष 2026–27 में बैंकों की ऋण वृद्धि में मामूली गिरावट और कर्ज लौटाने में चूक बढ़ने का अनुमान जताया है।

क्रिसिल ने बुधवार को कहा कि बैंक 2026–27 में कर्ज में 13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेंगे। यह वित्त वर्ष 2025–26 के लिए अनुमानित 14 प्रतिशत की तुलना में मामूली गिरावट है। रेटिंग एजेंसी ने यह भी कहा कि बैंकों की सकल गैर–निष्पादित परिसंपत्तियां (निष्पादित परिसंपत्तियां) अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई हैं और मार्च, 2027 तक 0.20 प्रतिशत बढ़कर 2.5 प्रतिशत तक हो सकती हैं। मुख्य रेटिंग अधिकारी कृष्णन सीतारमण ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों को दिए गए ऋण पर नजर रखने की जरूरत है। खासकर उन छोटे उद्योगों के मामले में जिनका पश्चिम एशिया में बाजार है या फिर वे वहां से कच्चे माल लेते हैं।

इसके साथ संपत्ति के बदले दिए गए छोटी राशि के कर्ज और कुछ बिना गारंटी वाले ऋण पर भी नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने स्वीकार किया कि सेरेमिक और हीरा पॉलिश जैसे क्षेत्रों में इकाइयों को पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण पहले ही प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

सूरत में कपड़ा कारखाने में लगी भीषण आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत (गुजरात)/भाषा। गुजरात के सूरत में बुधवार को एक कपड़ा कारखाने में भीषण आग लग गई, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि सचिन औद्योगिक क्षेत्र स्थित 'गोपी निटिंग टेक्सटाइल फैक्टरी' में सुबह लगभग 10 बजे आग लग गई। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के लिए शुरुआत में कारखाने और औद्योगिक क्षेत्र में मौजूद अग्निशमन उपकरणों का इस्तेमाल किया गया।

हालांकि, जब आग की लपटें लगातार बढ़ती गईं, तो सुबह करीब 11:30 बजे सूरत दमकल विभाग को सूचना दी गई।

उन्होंने बताया कि कपड़े और नायलॉन सामग्री की मौजूदगी के कारण आग तेजी से फैलने लगी और पूरे कारखाने को अपनी चपेट में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए 12 से अधिक दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि आग को आसपास के कारखानों में फैलने से रोकने के लिए एहतियाती उपाय किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इससे कारखाने को व्यापक नुकसान हुआ है।

अब तक वापस आ चुके हैं 2,000 रुपए के 98.45 प्रतिशत नोट: आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि 2,000 रुपए मूल्य वर्ग के चलन में मौजूद 98.45 प्रतिशत बैंक नोट अब तक वापस आ चुके हैं।

केंद्रीय बैंक ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपए मूल्यवर्ग के नोटों को चलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार समाप्ति के समय चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपए था, जो 31 मार्च 2026 को घटकर 5,501 करोड़ रुपए रह गया है।

आरबीआई ने कहा, इस तरह 19 मई 2023 तक चलन में मौजूद 2,000 रुपए के नोट में से 98.45 प्रतिशत अब तक वापस आ चुका है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि 2,000 रुपए के नोटों को बदलने की सुविधा उसके 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। ये कार्यालय व्यक्तियों और इकाइयों के बैंक खातों में जमा के लिए भी ऐसे नोट स्वीकार कर रहे हैं। आम लोग देश के किसी भी डाकघर से डाक के जरिये 2,000 रुपए के नोट आरबीआई के निर्गम कार्यालय को भेजकर अपने बैंक खाते में जमा करा सकते हैं।

भारत टैक्सी को ओला, उबर से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि सरकार समर्थित सहकारी परिवहन मंच भारत टैक्सी को शुरुआती दौर में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें ओला और उबर जैसी निजी कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा शामिल है।

सहकारिता मंत्री शाह ने सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ''ई–गवर्नेंस टूल'' के साथ–साथ कल्याण और जागरूकता, प्रशिक्षण और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव के माध्यम से इन्हें दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के तहत पंजीकृत भारत टैक्सी की स्थापना छह जून 2025 को सहकारिता के क्षेत्र में काम करने वाले राष्ट्रीय स्तर के 8 संस्थानों द्वारा की गई है जिसे आधिकारिक रूप से पांच फरवरी 2026 को शुरू किया गया। 23 मार्च 2026 तक, भारत टैक्सी से लगभग 4.31 लाख चालक– भागीदार जुड़े हैं। ये सेवाएं वर्तमान में दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और अहमदाबाद, राजकोट एवं सूरत सहित गुजरात के चुनिंदा शहरों में मुहैया की जा रही हैं। भारत टैक्सी की योजना अगले तीन साल में देश भर में छोटे शहरों के साथ–साथ जिला और तहसील स्तरों पर सेवा विस्तार करने की है। भारत टैक्सी का लक्ष्य लोगों को सुरक्षित और किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करते हुए चालकों के लिए उचित और पारदर्शी आय सुनिश्चित करना, कमीशन–आधारित शोषण को खत्म करना, भागीदारी को बढ़ावा देना और सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुंच प्रदान करना है।

डिजिटल भुगतान के लिए दो-स्तरीय सत्यापन हुआ जरूरी, धोखाधड़ी पर लगेगी रोक

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन भुगतान में धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए यूपीआई समेत सभी डिजिटल मंचों से होने वाले लेनदेन के लिए दो–स्तरीय प्रमाणीकरण बुधवार से अनिवार्य हो गया।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देशों के तहत सभी तरह के डिजिटल लेनदेन के लिए अब दो–स्तरीय सत्यापन करना अनिवार्य हो गया है। नए नियम के तहत कोई भी डिजिटल लेनदेन पूरा करने के लिए उपयोगकर्ता का दो स्तरों पर सत्यापन करना होगा। इसका मतलब है कि अब केवल यूपीआई पिन डालने से ही भुगतान पूरा नहीं होगा बल्कि ओटीपी, अंगुली के निशान या चेहरे का सत्यापन जैसे कदम भी जरूरी होंगे। इस तरह यूपीआई पिन लीक होने की स्थिति में भी अनधिकृत भुगतान को रोका जा सकेगा। आरबीआई ने कहा है कि सभी डिजिटल भुगतान लेनदेन में दो–स्तरीय सत्यापन करना अनिवार्य है। हालांकि इसके लिए किसी विशेष तरीके को अनिवार्य नहीं किया गया है।

शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज की आत्मा को आकार देते हैं : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकुरु। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि शिवकुमार स्वामी जैसे संत समाज एवं राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं तथा उनकी आध्यात्मिक विरासत उनके देहावसान के बाद भी देश का पोषण करती रहती है। अपने अनुयायियों के बीच त्रिविध 'दासोही' (भोजन, आश्रय और शिक्षा) के लिए प्रसिद्ध शिवकुमार स्वामी सिद्धगंगा मठ के पीठाधीश्वर थे। उनका 21 जनवरी 2019 को 111 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि परिश्रम, लोकसेवा और राष्ट्रसेवा परस्पर जुड़े हुए हैं तथा आध्यात्मिकता इन दोनों के लिए एक मजबूत और स्थायी आधार प्रदान करती है।

यहां श्री सिद्धगंगा मठ में संत की 119वीं जयंती और गुरुवंदना समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, मेरा मानना है कि श्री शिवकुमार स्वामीजी जैसे संत हमारे समाज और राष्ट्र की आत्मा को आकार देते हैं। उनका भौतिक शरीर वर्ष 2019 में पंचतत्व में विलीन हो गया, लेकिन उनकी विरासत आज भी समाज और देश का पोषण कर रही है।

मुर्मु ने कहा कि गरीबों और वंचितों की सेवा को समर्पित संत का जीवन कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति का एक अद्वितीय उदाहरण है। राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने अपनी आध्यात्मिक साधना के माध्यम से कई वर्षों तक मानवता को समृद्ध किया। गरीबों और वंचितों की सेवा को समर्पित उनका जीवन तथा कल्याणकारी कार्यों के जरिए आध्यात्मिकता की अभिव्यक्ति एक अनूठा उदाहरण है।

मठ की गतिविधियों की सराहना करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, कहा जाता है कि इस मठ के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीण बच्चों के लिए निःशुल्क भोजन, आवास और शिक्षा की व्यवस्था की जाती है, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने शिक्षा को विकास की कुंजी बताते हुए कहा कि वंचित और गरीब बच्चों को शिक्षा प्रदान करना देश का भविष्य निर्माण करना और राष्ट्र के विकास को आगे बढ़ाना है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मुझे विशेष प्रसन्नता है यह जानकर हुई कि प्राथमिक विद्यालय से लेकर इंजीनियरिंग और प्रबंधन में उच्च शिक्षा तक की व्यवस्था इस मठ द्वारा की गई है। इस उद्देश्य के लिए अनेक शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए गए हैं।''

राष्ट्रपति ने संस्थान से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रयासों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, मुझे यह भी बताया गया है कि श्री सिद्धगंगा अस्पताल आम जनता को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है, जिसकी स्थापना शिवकुमार स्वामी ने की थी।

उन्होंने यह भी कहा कि यह मठ सेवा और आध्यात्मिकता की एक दीर्घ परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। मुर्मू ने कर्नाटक की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रदेश लोकसेवा, राष्ट्रसेवा, आध्यात्मिकता और आधुनिक प्रगति के सबसे प्रभावी उदाहरणों में से एक को प्रस्तुत करता है। उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में योगदान के लिए राज्य के लोगों को बधाई दी।

हावेरी बस स्टेशन पर हादसा, एक मासूम समेत तीन लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी केंद्रीय बस स्टेशन पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। एक बस अचानक कंट्रोल से बाहर हो गई और प्लेटफॉर्म पर चढ़कर एक बेकरी स्टॉल से टकरा गई। इस घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक दो साल का बच्चा भी शामिल है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह हावेरी केंद्रीय बस स्टेशन पर काफी हलचल थी। लोग अपनी बस के आने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान हावेरी से लक्ष्मेश्वर जा रही एक बस अचानक चालक के नियंत्रण से बाहर हो गई और प्लेटफॉर्म पर जाकर एक बेकरी स्टॉल से टकरा गई। हादसे के बाद लोगों में अफरातफरी का माहौल बन गया। आसपास के लोग दौड़कर घायलों की मदद करने लगे और तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर तीनों घायलों को हावेरी जिला अस्पताल ले जाया गया। घायलों में दो वयस्क और एक छोटा बच्चा शामिल हैं। अस्पताल में उनकी प्राथमिक जांच और इलाज शुरू कर दिया गया है। परिवारवालों की चिंता और दुख इस हादसे के बाद साफ नजर आ रहा था। हर कोई अपने प्रियजनों की सुरक्षा को लेकर परेशान था।

वहीं, हादसे के बाद बस का चालक मौके से फरार हो गया। हावेरी नगर पुलिस स्टेशन ने घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि चालक की लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ या कोई और वजह भी थी। लोगों का कहना है कि हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। बस की गति इतनी अधिक थी कि चालक बस पर नियंत्रण खो बैठा और प्लेटफॉर्म पर रखे स्टॉल से टकरा गया। इस दौरान एक बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए। इस हादसे की वजह से कुछ समय के लिए बस स्टेशन पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जिससे कुछ समय के लिए बसों का आवागमन भी बाधित रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में करते हुए माहौल शांत कराया और फिर से आवागमन शुरू हुआ।

कांग्रेस उम्मीदवार दोनों उपचुनाव में बड़े अंतर से जीतेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बागलकोट। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भरोसा जताया, वरिष्ठ नेताओं के काम और कांग्रेस सरकार की गारंटी स्कीमों की वजह से वोटर दावणगेरे साउथ और बागलकोट उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देंगे और उन्हें बड़े अंतर से जीत दिलाएंगे। शिवकुमार ने बुधवार को बागलकोट में हुई एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में बात की।

उन्होंने कहा, एच.वाई. मेटी ने अपना वादा निभाया है। इस इलाके को एक सरकारी मेडिकल कॉलेज दिया गया है। हालांकि मैनिफेस्टो में इसका वादा नहीं किया गया था, लेकिन हमारी सरकार ने यूकेपी फेज 3 प्रोजेक्ट के तहत ज़मीन के शिकार ग्रामीण इलाकों के किसानों को मुआवज़ा बांटा है। हालांकि बोम्मई की सरकार यह देने में नाकाम रही, लेकिन हमने इसे दिया है। हमने सदन में अलमट्टी डैम की ऊंचाई को लेकर एक प्रस्ताव पेश करके इस प्रोजेक्ट को लागू करने का अपना कमिटमेंट दिखाया है।

उन्होंने कहा, हमारे वर्कर घर-घर जाकर देख रहे हैं कि गारंटी वाले प्रोजेक्ट उन तक पहुंच रहे हैं या नहीं। विरोधी पार्टियां इसकी बुराई कर रही हैं। लेकिन इस प्रोजेक्ट के फ़ायदों ने हमारी मदद नहीं की जब हमने पहले बीजेपी को वोट दिया था। लेकिन वे आपकी मेहरबानी को याद करके कह रहे हैं कि हम भविष्य में आपका कर्ज़ चुकाएंगे। यह हमारे लिए खुशी की बात है। दावणगेरे हो या बागलकोट, शहरी इलाकों में लोग अपना सपोर्ट दिखा रहे हैं। मैं इसके लिए अपने वर्करों को बधाई देता हूं। कर्नाटक के साथ नाइंसाफी करने वाली और कीमतें बढ़ाने वाली भाजपा को लोगों को सबक सिखाना चाहिए।

कर्नाटक के दोनों विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस जीतेगी, गारंटी योजनाएं कर रही हैं हमारी मदद : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि कांग्रेस के उम्मीदवार बागलकोट और दावनगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव भारी अंतर से जीतेंगे, क्योंकि सरकार की पांच गारंटी योजनाएं पार्टी को मदद करेंगी। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है । उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर राजनीतिक लाभ के लिए नकारात्मक बयान देने का आरोप लगाया। पिछले दो दिनों से बागलकोट क्षेत्र में उमेश मेती के लिए प्रचार करने के बाद मुख्यमंत्री कांग्रेस उम्मीदवार समर्थ मल्लिकार्जुन के लिए प्रचार करने दावणगेरे में हैं।

बागलकोट और दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में नौ अप्रैल को उपचुनाव को होंगे। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक एच वाई मेती और शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के बाद ये चुनाव कराये जा रहे हैं। सिद्दरामय्या ने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारी सरकार के अच्छे कामों की बदौलत हम दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में बड़े अंतर से जीत हासिल करेंगे। हमारी गारंटी योजनाएं ('शक्ति', 'गृह लक्ष्मी', 'गृह ज्योति', 'युवा निधि' और 'अन्ना भाग्य') हमारी मदद कर रही हैं। भाजपा ने गारंटी योजनाओं का विरोध किया क्योंकि ये गरीबों के लिए कार्यक्रम हैं। वह हमेशा ऐसी पहलों का विरोध करती है।''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिद्दरामय्या ने कहा कि भाजपा दावा करती है कि गारंटी योजनाओं के कारण खजाना खाली हो गया है और राज्य को कर्ज के जाल में धकेला जा रहा है लेकिन केंद्र सरकार और भाजपा शासित अधिकांश राज्यों की तुलना में कर्नाटक के वित्त का प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह और निवेश आकर्षित करने के मामले में कर्नाटक देश में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा, तो फिर भाजपा यह कैसे कह रही है कि कर्नाटक की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है? वह राजनीति के लिए ऐसे बयान दे रही है... कर्नाटक की आर्थिक स्थिति मजबूत है। भाजपा झूठ बोल रही है।''

नाश्ता

बुधवार को दावणगेरे में वसंत बैनेडोसे होटल में नाश्ता करते हुए उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डीके शिवकुमार। उनके साथ मंत्री केएच मुनियप्पा, दिल्ली में कर्नाटक के विशेष प्रतिनिधि टी बी जयचंद्र, विधायक एन ए हैरिस और एक्टर साधु कोकिला भी थे।

गुड फ्राइडे और ईस्टर के लिए कन्नूर के लिए विशेष ट्रेन आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गुड फ्राइडे और ईस्टर के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे ने एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनों (ट्रेन ऑन डिमांड) के संचालन की अधिसूचना जारी की है। ट्रेन संख्या 06551/06552 यशवंतपुर-कन्नूर-यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल की एक फेरा लगाया जाएगा। ट्रेन संख्या 06551 यशवंतपुर - कन्नूर एक्सप्रेस स्पेशल 2 अप्रैल को यशवंतपुर से 11.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 03.00 बजे कन्नूर पहुंचेगी। रेलगाड़ी क्रमांक 06552 कन्नूर - यशवंतपुर एक्सप्रेस स्पेशल 3 अप्रैल, को सुबह 08:45 बजे कन्नूर से प्रस्थान करेगी और उसी दिन रात 21:30 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2 एसी टू टियर कोच, 6 एसी थ्री टियर कोच, 7 स्लीपर क्लास कोच, 4 जनरल सेकंड क्लास कोच और 2 लगेज कम ब्रेक वैन होंगे।

ट्रेन में बोर्डिंग पॉइंट में बदलाव को यात्रियों के लिए सुविधाजनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी द्वितीय आरक्षण चार्ट तैयार होने तक बोर्डिंग पॉइंट में परिवर्तन किया जा सकता है। यात्रियों की सुविधा के लिए, भारतीय रेलवे ने बोर्डिंग पॉइंट बदलने की प्रक्रिया को सरल और सुगम बना दिया है। यह प्रक्रिया पीआरएस काउंटरों और खठ्उढ्उ दोनों के माध्यम से आसान और सुलभ हो गई है। 1 अप्रैल से यात्री आसानी से अपना बोर्डिंग स्टेशन बदल सकते हैं और दूसरी/अंतिम आरक्षण चार्ट तैयार होने तक बिना किसी परेशानी के यात्रा का अनुभव कर सकते हैं।

यात्री-केंद्रित पहल - जिन यात्रियों ने किसी विशेष स्टेशन से टिकट खरीदे हैं और उसमें अपनी सीट आरक्षित की है, लेकिन वे रास्ते में किसी अन्य स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर उस सीट का उपयोग करना चाहते हैं, उन्हें बोर्डिंग पॉइंट बदलने की सुविधा प्रदान की जाती है। पहले, ट्रेन के प्रस्थान से 4 घंटे पहले तैयार होने वाले पहले आरक्षण चार्ट से पहले बोर्डिंग पॉइंट बदलने का अनुरोध स्वीकार किया जाता था। पहले के नियमों और प्रथा के अनुसार, बोर्डिंग पॉइंट बदलने के लिए आवेदन यात्रा से 24 घंटे पहले किया जाना चाहिए था। हाल ही में लागू किए गए यात्री-हितैषी उपायों के अनुसार, पहला आरक्षण चार्ट आमतौर पर ट्रेन के प्रस्थान से 8 से 10 घंटे पहले या पिछली रात को तैयार किया जाता है (पहले यह 4 घंटे का समय निर्धारित था)। इसलिए, यह प्रस्ताव है कि इस लचीलेपन को दूसरे/अंतिम चार्ट तैयार होने तक बढ़ाया जाए, जो आमतौर पर ट्रेन के प्रस्थान से 30 मिनट पहले तैयार किया जाता है।

बोर्डिंग पॉइंट में बदलाव निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जा सकता है।

टिकट की स्थिति या तो कन्फर्म होनी चाहिए या आरएसी होनी चाहिए। वेटलिस्टेड टिकटों के लिए बोर्डिंग पॉइंट में बदलाव की अनुमति नहीं है। बोर्डिंग पॉइंट में बदलाव केवल एक बार किया जा सकता है। सफल सत्यापन के बाद, नया बोर्डिंग स्टेशन सिस्टम में अपडेट हो जाता है। एक बार बोर्डिंग पॉइंट बदल जाने के बाद, यात्री को केवल संशोधित स्टेशन से ही ट्रेन में चढ़ना होगा, मूल स्टेशन से नहीं। संशोधित बोर्डिंग पॉइंट से ट्रेन में न चढ़ने पर बर्थ को अस्पष्ट माना जा सकता है और उसे प्रतीक्षा सूची में शामिल अन्य यात्रियों को आवंटित किया जा सकता है। बोर्डिंग प्वाइंट में बदलाव का अनुरोध यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) काउंटरों पर या आईआरसीटीसी ई-टिकटिंग सिस्टम/रेलवन एप्लिकेशन के माध्यम से ऑनलाइन किया जा सकता है।

ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए अध्ययन

बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस, आईआरटीई और डियाजियो ने मिलकर काम किया

बेंगलूरु। शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और रोड सेफ्टी की चुनौतियों को देखते हुए, बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस, इंस्टिट्यूट ऑफ रोड ट्रैफिक एजुकेशन (आईआरटीई) और डियाजियो इंडिया ने बड़े जंक्शनों पर ट्रैफिक को बेहतर बनाने के लिए एक स्टडी की है। इस स्टडी के लिए चालुक्य सर्कल, कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन जंक्शन, एच. सिद्धैया सर्कल को चुना गया था। इन तीन जंक्शनों पर, ट्रैफिक वॉल्यूम, रोड यूजर बिहेवियर और सेफ्टी फैक्टर्स का साइंटिफिक तरीके से एनालिसिस किया गया, साथ ही ग्राउंड-लेवल रिसर्च, गाड़ियों के ट्रैफिक की ट्रैकिंग और कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए किए जा सकने वाले उपायों पर भी बात की गई। इसके अलावा, स्टडी ने ट्रैफिक फ्लो, पैदल चलने वालों की आवाजाही, रोड डिजाइन के असर और प्लानिंग में सुधार के बारे में ज़रूरी जानकारी दी, और लेन सेपरेशन, पैदल चलने वालों के लिए सेफ रोड आइलैंड, सिग्नल सिस्टम में सुधार और साइनबोर्ड डेवलपमेंट जैसे कम लागत वाले उपायों की सलाह दी।

प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर, ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के लिए दो दिन का ट्रेनिंग प्रोग्राम किया गया, जिससे उन्हें ट्रैफिक इंजीनियरिंग, रोड सेफ्टी इंस्पेक्शन और नियमों को लागू करने की जानकारी मिली। इस मौके पर जॉइंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस कार्तिक रेड्डी ने कहा, बेंगलूरु जैसे शहर में, ट्रैफिक मैनेजमेंट सिर्फ़ लॉ एनफोर्समेंट के बारे में नहीं है; इसके लिए रोड डिज़ाइन और ज़मीनी हकीकत की समझ होनी चाहिए। इस तरह की कोशिशों से अधिकारियों की काबिलियत बढ़ेगी और उन्हें रोज़ाना के ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए टेक्निकल जानकारी मिलेगी। डियाजियो इंडिया के कॉर्पोरेट रिलेशंस के डायरेक्टर देवाशीष दासगुप्ता ने कहा, यह पार्टनरशिप हमें शहरी ट्रैफिक की समस्याओं से साइंटिफिक और डेटा-ड्रिवन तरीके से निपटने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि यह स्टडी शुरू में तीन बड़े जंक्शनों पर की जाएगी और फिर इसे फेज़ में बढ़ाया जाएगा। उम्मीद है कि यह कोशिश रिसर्च, इंजीनियरिंग सॉल्यूशन और ट्रेनिंग को मिलाकर शहरी ट्रैफिक सुधार के लिए एक मॉडल बनेगी।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति की किताब का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि भारत में लोकतांत्रिक परंपरायें निरंतर, समावेशी और समाज की गहराइयों में रची-बसी रही हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि ये परंपराएं एक व्यापक सभ्यतागत लोकाचार का अभिन्न हिस्सा हैं, जो संवाद, सहमति और विविध मतों के सम्मान को सर्वोपरि मानता है। राधाकृष्णन ने राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति की किताब 'टाइड्स ऑफ टाइम : भारत्स हिस्ट्री थ्रू म्यूरल्स इन पार्लियामेंट' का विमोचन करने के बाद संसद परिसर में अपने संबोधन में इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तर में वैशाली से लेकर दक्षिण में कुडावोलाई' प्रणाली तक, भारत में लोकतांत्रिक परंपराएं हमेशा से चली आ रही हैं, जो समाज में गहराई से समाई हुई हैं और सभी को शामिल करती हैं। 'टाइड्स ऑफ टाइम : भारत्स हिस्ट्री थ्रू म्यूरल्स इन पार्लियामेंट' का प्रकाशन लोकसभा सचिवालय ने किया है। इसके विमोचन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद थे।

राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन ने कहा कि ये परंपराएं एक व्यापक सभ्यतागत लोकाचार का हिस्सा हैं, जो संवाद, आम सहमति और विविध मतों का सम्मान करने पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि यही बात 'भारत को लोकतंत्र की जननी' बनाती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि संविधान सदन (पुराना संसद भवन) में मौजूद भितिचित्र केवल कलाकृतियां ही नहीं हैं, बल्कि भारत की सभ्यतागत यात्रा को दर्शाने वाली दृश्य कथाएं हैं। महान तमिल कवि सुब्रमण्य भारती को उद्धृत करते हुए राधाकृष्णन ने भारत के समृद्ध ज्ञान, गरिमा, परोपकार और सांस्कृतिक गहराई पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऐसी नींव स्वाभाविक रूप से समावेशिता और सभी स्वरों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देती है। राधाकृष्णन ने संसद भवन में पारंपरिक प्रतीकों को शामिल किए जाने की सराहना भी की।

प्रचार

दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के प्रचार के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हदादी गांव में आंजनैय्या और वीरालिंगेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की और कांग्रेस उम्मीदवार समर्थ एम. के समर्थन में प्रचार किया।

राजस्थान में कई स्थानों पर आंधी आई, कई जगहों पर बारिश हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण बीते चौबीस घंटे में कई स्थानों पर आंधी आई व कई जगहों पर बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नया पश्चिमी विक्षोभ इस सप्ताह सक्रिय होगा जिससे कुछ इलाकों में बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के अनुसार बुधवार सुबह तक की अवधि के दौरान पिछले 24 घंटे में राज्य के कुछ भाग में आंधी-बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक 34 मिलीमीटर बारिश जयपुर के सांभर में हुई। इस अवधि में कोटा में सर्वाधिक 37.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा तथा सिरोही में सबसे कम 14.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

मौसम केंद्र के अनुसार आज बुधवार को राज्य के पूर्वी व उत्तरी भाग में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष भाग में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने का अनुमान है। वहीं, दो अप्रैल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में पुनः बढ़ोतरी हो सकती है। केंद्र के अनुसार एक और पश्चिमी विक्षोभ का सबसे अधिक प्रभाव तीन से चार अप्रैल को रहेगा। इससे जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भाग में आंधी आने व बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसी तरह, सात से आठ अप्रैल को एक और पश्चिमी विक्षोभ राज्य के कुछ भाग में सक्रिय रहेगा।

राजस्थान में 65 आईएएस के तबादले, जितेंद्र सोनी बने मुख्यमंत्री के सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 65 अधिकारियों के तबादले किए हैं जिनमें 25 जिलाधिकारी भी शामिल हैं। जयपुर के जिलाधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी का तबादला मुख्यमंत्री कार्यालय में मुख्यमंत्री के सचिव के पद पर किया गया है। वह सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव भी होंगे। कार्मिक विभाग द्वारा मंगलवार देर रात जारी आदेश के तहत, वित्त (बजट) विभाग के शासन सचिव राजन विशाल को जल जीवन मिशन के मिशन निदेशक के पद पर तैनात किया गया है। मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को जयपुर का जिलाधिकारी बनाया गया। बाड़मेर की जिलाधिकारी टीना डाबी का तबादला टोंक में जिलाधिकारी के पद पर किया गया।

जिन जिलों में जिलाधिकारी बदले गए हैं उनमें जैसलमेर, जोधपुर, उदयपुर, बाड़मेर, प्रतापगढ़, सीकर, फलोदी, बारां, बीकानेर, गंगानगर, चित्तौड़गढ़, पाली, सिरोही, बूंदी, डीडवाना-कुचामन, नागौर, करौली, दौसा, खैरथल-तिजारा, डूंगरपुर, सलूंबर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ शामिल है।

हरी झंडी दिखाकर बसों का शुभारम्भ किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी ने बुधवार को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम सिरोही आगार द्वारा संचालित नवीन 5 वाहन सेवाओं का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। सिरोही आगार परिक्षेत्र के निवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा निरन्तर व्यापारिक एवं धार्मिक महत्व के स्थलों पर वाहन संचालन के लिए लगातार मांग की जा रही थी।

आगार ने वाहनों की आवश्यकताओं को देखते हुए मुख्यालय स्तर से आगार को 7 सेमी डिलक्स स्टार लाइन एवं 5 सुपर एक्सप्रेस श्रेणी की कुल 12 अनुबंधित वाहन आवंटित किए गए। जिसमें से सुपर एक्सप्रेस श्रेणी की कुल 5 बसे आगार को प्राप्त हो गई। इन बसों का ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा सिरोही जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित ने हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया।

सरकार शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कर रही काम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों में संस्कार के बीज बोते हैं। शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में विद्या दान देकर उन्हें मजबूत बनाते हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श विद्या मंदिर संस्थान केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि समाज में निस्वार्थ सेवा, सहयोग और करुणा भी भावना का विस्तार कर रही है। बच्चों में शिक्षा के साथ यह विद्यालय नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों पर बल देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। हम पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अंत्योदय की अवधारणा पर कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति पर बैठे व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। शर्मा बुधवार को आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय, राजापार्क में बहुउद्देशीय सभागार के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवीन सभागार के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों और भामाशाहों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभागार उन हजारों सपनों की नींव पर खड़ा हुआ है, जो इस विद्यालय के शिक्षकों, अभिभावकों और दानदाताओं ने मिलकर बुने हैं।

उन्होंने इन ज्ञान केन्द्रों के विकास में सभी लोगों से अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों में करुणा का भाव विकसित करना विद्यालयों का दायित्व है, जिससे उनमें वसुधैव कुटुम्बकम की भावना फलीभूत हो। उन्होंने कहा कि जिस देश के बच्चे अपनी विरासत को जानते हैं, उस देश के विकास को कोई भी नहीं रोक सकता।

आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। साथ ही, शांति, सद्भाव और मानवता का संदेश यहां से निकलकर पूरे समाज में फैला है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय भविष्य की पीढ़ियों को अध्यात्म और भारतीय ज्ञान की धरोहर से परिचित कराते हैं, जो हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्षों में संजोई है।

अनुपालना में कमी और विनियमन में शिथिलता - द्वितीय चरण की समीक्षा बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और सुशासन के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता' - चरण2 की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक शासन सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों द्वारा अनुपालनों को सरल बनाने, डिजिटल समाधानों को अपनाने की प्रगति पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता'- चरण2 की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने प्राथमिकता वाले 28 क्षेत्रों में अनुमोदित कार्ययोजना अनुसार समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 'अनुपालन में कमी और विनियमन में शिथिलता'- चरण2 में कुल 28 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों (झीळीेळीं -ीशरी) की पहचान की गई है। चरण-। (झहरीश ख) में राजस्थान अग्रणी राज्यों में शामिल रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने संबंधित विभागों को को इस उपलब्धि के लिए सराहा तथा चरण-2 में भी इसी ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित भी किया।

वी. श्रीनिवास ने राजस्व एवं पर्यावरण विभाग को उद्योगों को राहत देने के लिए 'डीग्रेडेड फॉरेस्ट' और गैर-वन भूमि का 'लैंड बैंक' तैयार करने व तय समय सीमा में भूमि की पहचान करने एवं जानकारी जिसे परिवेश पोर्टल पर अपलोड करने के लिए कहा। साथ ही भू-रूपान्तरण नियमों के सरलीकरण एवं विधिक माप विज्ञान अन्तर्गत लाइसेंस प्रक्रिया के शीघ्र सरलीकरण हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान पर्यटकों के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती आवास सुविधा होमस्टे (कोशीीिंरू), पंजीकरण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र , निजी स्कूलों और विश्वविद्यालयों के लिए भूमि संबंधी आवश्यकताओं और बुनियादी ढांचे के मानदंडों, स्वतः अपील प्रणाली, सेक्टर वाइज रिपोजिटरी, अग्नि सुरक्षा नियमों एवं शॉप्स एंड कॉमर्शियल प्रतिष्ठानों के संचालन आदि विषयों पर सार्थक चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।

बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग एवं वाणिज्य) शिखर अग्रवाल सहित राजस्व, शिक्षा, ऊर्जा और विधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करें : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने महिलाओं से जुड़े अपराधों का 60 दिन में निस्तारण सुनिश्चित करने तथा प्रत्येक एफआईआर की स्थिति दो माह में अद्यतन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेडलीपीआर (मेडिको लीगल एग्जामिनेशन एंड पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट) प्रशिक्षण आयोजित करने, न्याय श्रुति को शीघ्र ऑनबोर्ड करने, जिलों में लोक अभियोजकों की नियमित बैठकें सुनिश्चित करने तथा सिविल राइट्स की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जीरो एफआईआर, ई-एफआईआर एवं सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) के व्यापक उपयोग से तकनीक आधारित पुलिसिंग को सुदृढ़ करते हुए जांच प्रक्रिया को और अधिक गति दी जाए।

मुख्य सचिव बुधवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में नई आपराधिक विधियों के क्रियान्वयन एवं स्मार्ट पुलिसिंग पहलों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने नागरिकों को एसएमएस अलर्ट, ऑनलाइन ट्रैकिंग एवं ई-समन जैसी सुविधाएं का व्यापक उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुसंधान अधिकारियों को ई-साक्ष्य के उपयोग हेतु नियमित प्रशिक्षण देने तथा आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े सभी स्तंभों- पुलिस, जेल, अभियोजन, फोरेंसिक एवं न्यायिक अधिकारियों के बीच समन्वय को और सुदृढ़ करने पर जोर दिया। उन्होंने न्यायालयों एवं कारागृहों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित कर सुनवाई प्रक्रिया को अधिक सुगम एवं त्वरित बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से तकनीकी प्लेटफॉर्म्स का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि जांच की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता में निरंतर सुधार बना रहे। उन्होंने गंभीर मामलों में फोरेंसिक जांच को प्राथमिकता देने तथा घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अजय पाल लाम्बा, पुलिस महानिरीक्षक (राज्य अपराध अभिलेख ब्यूर - एससीआरबी) ने बताया गया कि फोरेंसिक, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं डिजिटल प्रणालियों के एकीकरण से मामलों के निस्तारण में सुधार दर्ज हुआ है। राज्य में आपराधिक मामलों के पंजीकरण, जांच एवं निस्तारण में निरंतर प्रगति हो रही है तथा निर्धारित समयसीमा में मामलों के निस्तारण की दर में वृद्धि से न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आई है।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग भास्कर आत्माराम सांवत; महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा; महानिदेशक जेल अशोक कुमार राठौड़; प्रमुख शासन सचिव विधि एवं विधिक कार्य विभाग; राघवेंद्र काछवाल; तिरूपति कुमार गुप्ता, शासन सचिव, गृह (विधि) एवं निदेशक अभियोजन सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, वित्त विभाग, गृह विभाग, सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

परिवहन विभाग में 80% तक पहुंची संतुष्टि, और बेहतर करने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परिवहन विभाग के प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। देथा ने जिला स्तर पर दर्ज शिकायतों की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं परिवादियों से संवाद स्थापित करें। जिन जिलों में निस्तारण प्रतिशत, समाधान पर संतुष्टि का स्तर और औसत निस्तारण समय राज्य स्तर से कमजोर है, वहां तत्काल सुधार किया जाए। उन्होंने बैठक के दौरान कुछ जिलों के अधिकारियों से सीधे बातचीत भी की और कम प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में सुधार के निर्देश दिए।

प्रमुख शासन सचिव देथा ने बस स्टैंड पर साफ-सफाई, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और महिला सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ड्राइवर और कंडक्टर के व्यवहार संबंधी शिकायतों पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने उन मामलों की भी वास्तविक स्थिति जानी, जिनमें पोर्टल पर संतुष्टि दर्ज की जा चुकी थी। उन्होंने परिवादियों से सीधे संवाद कर फीडबैक लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया।

देथा ने कहा कि विभाग की आवश्यक सेवाओं से जुड़े मामलों में कोई भी शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। प्रत्येक परिवादी की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और निस्तारण प्रतिशत के साथ-साथ संतुष्टि प्रतिशत में भी निरंतर सुधार हो। उन्होंने निर्देश दिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (-ख) के माध्यम से जिलों के अधिकारियों की प्रदर्शन सूची तैयार की जाए, ताकि कम प्रदर्शन करने वालों की पहचान कर समयबद्ध सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को करेंगे ठोस उपाय

जयपुर। राजस्व मण्डल के नव नियुक्त अध्यक्ष अजिताभ शर्मा ने राजस्व मण्डल से लेकर सभी अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण को लेकर बेहतरीन कार्ययोजना की क्रियान्विति पर जोर दिया । उन्होंने बुधवार को राजस्व मंडल प्रशासन एवं सभी मंडल सदस्यों के साथ बैठक में मंडल के कामकाज की विस्तृत समीक्षा करते हुए और बेहतरीन ढंग से कार्य निष्पादन करने के निर्देश दिये। उन्होंने मंडल एवं अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों का अधिक गुणवत्ता एवं शीघ्रता से निस्तारण की दिशा में कारगर कदम उठाये जाने पर जोर दिया। उन्होंने इसके लिये मंडल स्तर से प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य के विविध स्तरीय राजस्व न्यायालयों की सेवाओं को और बेहतर बनाने के प्रभावी प्रयास किये जायेंगे ।

अशोक गहलोत ने एसएमएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में देरी पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने अपनी डिजिटल सीरीज 'इंतजार शास्त्र' की ताजा कड़ी में जयपुर के एसएमएस अस्पताल में कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट के उद्घाटन में हो रही देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य की अनदेखी करने का आरोप भी लगाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भारतीय जनता पार्टी सरकार को संबोधित करते हुए गहलोत ने पूछा कि क्या निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के लिए राजस्थान के सरकारी अस्पतालों को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया जा रहा है? इस प्रोजेक्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 50 करोड़ रुपए की लागत से बना कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट बनकर तैयार है, लेकिन अभी तक इसका उद्घाटन नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि क्या भाजपा सरकार के पास एक तैयार इंस्टीट्यूट को खोलने का समय नहीं है? क्या राजनीतिक बदले की भावना लोगों की जान की कीमत पर भारी पड़ रही है? सरकार को लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करना बंद कर देना चाहिए।

पोस्ट के साथ शेयर किए गए एक वीडियो में इस सुविधा केंद्र की तस्वीरें दिखाई गईं और यह दावा किया गया कि इस देरी के कारण जनता को बेहद जरूरी सेवाओं से वंचित रहना पड़ रहा है। इसमें बताया गया कि कोविड-19 के बाद दिल से जुड़ी बीमारियां बढ़ गई हैं, और इस संस्थान को एक ही छत के नीचे संपूर्ण इलाज मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया था। वीडियो के अनुसार, इस सुविधा केंद्र में 250 बेड, पांच मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और रोबोटिक एंजियोप्लास्टी जैसी आधुनिक सेवाएं शामिल हैं। यह प्रोजेक्ट अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था और इसे जनवरी 2025 तक पूरा किया जाना था। हालांकि, गहलोत ने आरोप लगाया कि फिनिशिंग का काम अभी भी बाकी है, और निर्माण सामग्री परिसर के बाहर पड़ी हुई है। इस संस्थान के चालू होने की समय-सीमा अभी भी स्पष्ट नहीं है।

कचरे की राजनीति को हटाया गया : योगी ने कूड़ा प्रबंधन कार्यक्रम में सपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला और कहा कि उनकी सरकार ने राज्य से ''कचरे की राजनीति को हटा दिया है।'' मुख्यमंत्री लखनऊ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने के उद्देश्य से लगभग 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद सभा को संबोधित कर रहे थे।

आदित्यनाथ ने कहा, ''हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले, शासन और सोच दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं।'' उन्होंने कहा कि 2017 से पहले पिछली सरकारों के कामकाज के कारण घर-घर कचरा उठाने जैसी प्रभावी कचरा संग्रहण प्रणाली संभव नहीं थी। उन्होंने अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''पहले सत्ता में रहने वाले लोग खुद गंदगी में डूबे हुए थे। उनके कार्य और सोच उसी को प्रतिबिंबित करते थे, जिसके परिणामस्वरूप इंसेफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया और फाइलेरिया जैसी बीमारियां फैल गईं।'' मुख्यमंत्री ने स्वच्छता मानकों में सुधार के लिए डबल इंजन सरकार को श्रेय दिया और कहा कि लखनऊ अब पिछले नौ वर्षों में स्वच्छता रैंकिंग में देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल हो गया है। आदित्यनाथ ने कहा कि नए इलेक्ट्रिक वाहन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद करेंगे और बेहतर अपशिष्ट निपटान प्रणाली सुनिश्चित करते हुए ''नेट जीरो'' लक्ष्य प्राप्त करने में योगदान देंगे। उन्होंने पिछली सरकारों की तुलना में मौजूदा स्थिति की तुलना करते हुए शहरी बुनियादी ढांचे में बदलाव पर भी प्रकाश डाला।

असम की भाजपा सरकार जनता को धोखा दे रही है, चुनावी वादे पूरे नहीं किए गए : पवन खेड़ा

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को असम में भाजपा सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि चुनावी वादे एक दशक से अधिक समय से पूरे नहीं हुए हैं।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के परिवारों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई हैं। खेड़ा ने कहा कि सत्ताधारी पार्टी धर्म, भाषा, भोजन और कपड़ों के नाम पर लोगों का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए हर तरह की हथकंडे अपनाती है। भाजपा प्रशासन पर हमला करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के प्रमुख ने लोकप्रिय हिंदी फिल्म 'बंटी और बबली' का जिक्र किया, जो दो काल्पनिक ठगों की कहानी पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, राज्य में 'बंटी और बबली' सरकार चल रही है। इस फिल्म का पहला भाग अभी राज्य में चल रहा है, और जनता को मतदान करके इसके दूसरे भाग की रिलीज को रोकना होगा।

यह फिल्म पहली बार 2005 में रिलीज हुई थी, और इसका सीक्वल 2021 में सिनेमाघरों में आया। सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए खेड़ा ने कहा, चुनावी शपथपत्र में दी गई जानकारी के आधार पर हमने भाजपा के मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति में वृद्धि का एक पैटर्न देखा है। यह पाया गया है कि जहां मंत्री या विधायक की संपत्ति या तो स्थिर रही या फिर कम हो गई, वहीं उनकी पत्नियों की संपत्ति कई गुना बढ़ गई।

प्रधानमंत्री ने असम में चाय बागान का दौरा किया, महिला श्रमिकों से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को असम के डिब्रूगढ़ में एक चाय बागान का दौरा किया और वहां चाय की पत्तियां तोड़ीं। प्रधानमंत्री मोदी असम में विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के पक्ष में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए राज्य के एक दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने 'मनोहारी टी एस्टेट' में काम करने वाली महिला श्रमिकों से बातचीत भी की।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हम चाय बागान में काम करने वाले हर परिवार के प्रयासों पर अत्यंत गर्व महसूस करते हैं। उनकी कड़ी मेहनत और लगन ने असम के गौरव को बढ़ाया है।'' मोदी को वहां 19 महिलाओं के समूह के साथ चाय की पत्तियां तोड़ते और उन्हें एक पारंपरिक टोकरी में रखते हुए भी देखा गया। प्रधानमंत्री करीब आधा घंटा इन महिला श्रमिकों के साथ रहे, जिन्होंने सफेद और लाल बॉर्डर वाली पारंपरिक साड़ियां पहनी हुई थीं। उन्होंने चाय बागान श्रमिकों की चिंताओं को भी सुना और शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा एवं मजदूरी जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''चाय की पत्तियां तोड़ने के बाद महिलाओं ने अपनी संस्कृति के बारे में बात की और अंत में एक सेल्फी भी ली।'' प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि ये डिब्रूगढ़ के एक चाय बागान की कुछ झलकियां हैं।

प्रधानमंत्री ने श्रमिकों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक झुमुर नृत्य का भी आनंद लिया। आज प्रधानमंत्री धेमाजी जिले के गोगमुख और बिश्वनाथ जिले के बेहाली में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे।

झारखंड: प्रेम त्रिकोण में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

गुमला/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में एक संदिग्ध प्रेम त्रिकोण के सिलसिले में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार को चैनपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत छिछवानी गांव में घटी जब कामिल टोप्पो ने उस व्यक्ति पर हमला किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान राजेंद्र कुमार मिंज के रूप में हुई है।

गुमला एसपी हारिस बिन ज़मान ने कहा, आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वह फरार है। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि मिंज की हत्या किसी प्रेम प्रसंग के कारण हुई है। हालांकि, मामले की गहन जांच की जा रही है। यह घटना तब घटी जब मिंज अपनी बेटी के साथ खेत से घर लौट रहा था। ग्रामीणों का आरोप है कि मृतक का किसी महिला के साथ विवाहेत्तर संबंध था और टोप्पो का भी उसी महिला के साथ प्रेम संबंध था।

मोदी सरकार ने सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों तथा कई अन्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने देश की सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया है। उन्होंने यह दावा भी किया कि भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान जनता को लूटने और ''आपदा में डाका डालने'' पर केंद्रित है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण दुनिया भर में तेल की कीमतों में उछाल के बीच वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में बुधवार को 195.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, दिल्ली में 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 2,078.50 रुपए हो गई है। विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) या विमान ईंधन की कीमत को भी बढ़ाकर रिकॉर्ड 2.07 लाख रुपए प्रति किलोलीटर से अधिक कर दिया गया है। हालांकि, घरेलू विमानन कंपनियों के लिए केवल 8.5 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार ने देश की सामरिक और आर्थिक नीति को तहस-नहस कर दिया है, जिसका सीधा ख़ामियाज़ा 140 करोड़ भारतीयों को उठाना पड़ रहा है। आज से रोजमर्रा की कई ज़रूरी चीज़ों के दाम बढ़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम आसमान पर हैं और ज़मीन पर भारी क़िल्लत है। ढाबे की चाय से लेकर, मध्याह्न भोजन पर बुरा असर हुआ है। एयर टरबाइन इंधन महंगा हो गया है, हवाई चप्पल से हवाई यात्रा हुई हवा-हवाई। सरकार ने मूल्य सीमा को भी हटाया।'' खरगे ने यह दावा भी किया कि 900 से अधिक ज़रूरी दवाइयां महंगी हुईं हैं तथा इलाज का ख़र्च और बढ़ गया है। खरगे ने कई अन्य वस्तुओं एवं सेवाओं के दाम में इजाफे का उल्लेख करते हुए कहा, ''जब देश की आम जनता, हमारे किसान और मज़दूर व एमएसएमई उद्योग रियायत की आशा में हैं, तब उनकी घोर अनदेखी कर, भाजपा नेतृत्व का पूरा ध्यान जनता को लूटने और आपदा में डाका डालने पर केंद्रित है।''

तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी ने मोदी सरकार को लोगों को चूस लेने का लगाया आरोप

सीतलकुची/भाषा। वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को दावा किया कि जहां ममता बनर्जी सरकार लोगों को राहत प्रदान कर रहा है, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला केंद्र 'उन्हें चूस रहा है।' तृणमूल सांसद बनर्जी ने बांग्लादेश सीमा के पास सीतलकुची में चुनावी रैली को संबोधित करते आरोप लगाया कि सब्जियों और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने लोगों को गंभीर संकट में डाल दिया है।

बनर्जी ने कहा, ''एक तरफ मोदी जनता को चूस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ममता बनर्जी उन्हें राहत प्रदान कर रही हैं।'' पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण वैश्विक तेल मूल्यों में उछाल के अनुरूप, वाणिज्यिक एलपीजी की दरों में 195.50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। तृणमूल नेता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र द्वारा विभिन्न केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए धनराशि जारी नहीं किए जाने के बावजूद, ममता बनर्जी सरकार आवास, रोजगार गारंटी कार्यक्रमों, सड़कों और जल आपूर्ति परियोजनाओं के लिए अपने संसाधनों का उपयोग कर रही है। उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच अप्रैल को कूच बिहार आएंगे। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वह एक श्वेत पत्र जारी करें जिसमें यह बताया जाए कि क्या जिले से एक भी व्यक्ति को केंद्र की आवास योजना के तहत धनराशि प्राप्त हुई है।'' उन्होंने कहा कि अगर मोदी एक श्वेत पत्र जारी करते हैं जिसमें यह कहा गया हो कि उन्होंने 100 दिन की रोजगार गारंटी योजना के तहत किसी भी लाभार्थी को दस पैसे भी दिए हैं, तो वह राजनीतिक मैदान छोड़ देंगे। उन्होंने सीतलकुची के लोगों से भाजपा को वोट न देने का आह्वान करते हुए कहा कि 2021 में मतदान के दिन केंद्रीय बलों की गोलीबारी में कई लोग मारे गए थे।

'तृणमूल, अन्य दलों ने बंगाल में मुसलमानों का केवल वोट लिया, लेकिन उनके लिए कुछ नहीं किया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और अन्य दलों ने पश्चिम बंगाल में मुसलमानों का इस्तेमाल 'वोट बैंक' की तरह किया, लेकिन समुदाय के विकास के लिए कुछ नहीं किया।

हुमायूं कबीर के नेतृत्व वाली एजेयूपी के उम्मीदवारों के समर्थन में मुर्शिदाबाद जिले के नाओडा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ओवैसी ने यह भी दावा किया कि पिछले 50 वर्षों में मुस्लिम समुदाय ने कांग्रेस, वाममोर्चा और तृणमूल कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल में मुसलमानों को राजनीतिक निर्णय लेने में अधिक प्रतिनिधित्व दिलाने और उनके वास्तविक विकास के लिए हमने कबीर के साथ हाथ मिलाया है। हम सब मिलकर ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को करारा झटका देंगे।''

ओवैसी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''अब समय आ गया है कि मुस्लिम समुदाय से ऐसे नेताओं को चुना जाए जो आपके आर्थिक विकास को सुनिश्चित कर सकें।''

उन्होंने कहा, ''यहां की आबादी में मुसलमानों की संख्या लगभग 30 प्रतिशत है, लेकिन राज्य सरकार की नौकरियों में लगभग सात प्रतिशत मुसलमान हैं। मुसलमानों के शोषण को रोकने का समय आ गया है।

पश्चिम एशिया संकट का असर जल्द दिखने के लिए मोदी सरकार की नीतियां जिम्मेदार : प्रियंका गांधी

नाजिरा (असम)/ भाषा। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने बुधवार को वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में वृद्धि की घोषणा के कुछ घंटों बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गलत नीतियों के कारण पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर भारत में उम्मीद से कहीं पहले ही महसूस किया जाने लगा है।

असम के नाजिरा में एक चुनावी रैली से इतर संवाददाताओं से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की नीतियों के कारण आगे और भी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रियंका ने कहा, अगर प्रधानमंत्री मोदी ने नीतियों को थोड़ा संतुलित रखा होता और देश को अमेरिका और इजराइल का गुलाम न बनाया होता, तो ऐसी स्थिति इतनी जल्दी पैदा न होती।

पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण दुनियाभर में तेल की कीमतों में उछाल के बीच भारत में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बुधवार को 195.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई।

नीतीश के बेटे निशांत ने किया भावुक पोस्ट, कहा- 'ऐसे दूरदर्शी नेता का पुत्र होने पर गर्व'

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता निशांत कुमार ने बुधवार को पिता के कामकाज और नेतृत्व शैली की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें उस महान व्यक्ति का पुत्र होने पर गर्व है, जिसने कभी बदहाल माने जाने वाले बिहार को विकास की नई दिशा दी।

पिछले महीने जदयू की सदस्यता लेने वाले निशांत ने कहा कि उनके पिता ने ऐसे समय में राज्य की बागडोर संभाली थी, जब बिहार विकास और बुनियादी सुविधाओं के मामले में काफी पीछे था। निशांत ने कहा कि लेकिन अपने संकल्प, दूरदर्शिता और मजबूत इच्छाशक्ति के दम पर कुमार ने राज्य की तस्वीर बदल दी। निशांत के अनुसार, कभी अंधेरे में डूबे रहने वाले गांवों तक बिजली पहुंचाना, जर्जर स्कूलों को नए भवन देना और सड़क-विहीन गांवों तक सड़कें पहुंचाना आसान काम नहीं था, लेकिन उनके पिता ने इसे संभव कर दिखाया। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि वह ऐसे दूरदर्शी नेता के पुत्र हैं, जिन्होंने बिहार को खस्ताहाल स्थिति से निकालकर खुशहाल बनाने का सपना साकार किया।

जहां कभी नक्सलवाद था, वहां अब खेलों का विकास हो रहा है : ट्राइबल खेलों पर रक्षा खड़से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। खेल राज्यमंत्री रक्षा खड़से ने बुधवार को कहा कि पहले खेलो इंडिया ट्राइबल खेलों ने छत्तीसगढ को एक नई दिशा दी है जिसे पहले पिछड़ा समझा जाता था और नक्सलवाद के लिए जाना जाता था । खेलों के दौरान रायपुर का दौरा करने वाली खड़से ने इस आयोजन के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण की तारीफ की ।

खड़से ने कहा कि सभी प्रदेशों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2500 से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी आदिवासी युवाओं को भविष्य बनाने का मंच देने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता दिखाती है ।

उन्होंने कहा ,'' एक समय था जब छत्तीसगढ को नक्सलवाद के लिए जाना जाता था और इसके लोगों को पिछड़ा माना जाता था । मुझे लगता है कि अब इस क्षेत्र को नई दिशा मिल गई है ।' उन्होंने कहा ,'' नक्सलवाद खत्म हो गया है और खेलों के जरिये यहां के युवा अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य से देश के लिए खेल सकते हैं ।'' उन्होंने ग्रामीण भारत की महिलाओं को प्रतिस्पर्धी खेलों में लाने वाली अस्मिता लीग के बारे में भी बात की ।

ईडी ने आपराधिक गिरोह के खिलाफ कोलकाता में छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। ईडी ने बुधवार को कोलकाता में कई परिसरों पर एक कथित अपराधी और उससे जुड़े गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के तहत छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सूत्रों ने बताया कि हत्या के प्रयास और वसूली के आरोपों में गिरफ्तार अपराधी बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू के खिलाफ मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि बल्लीगंज क्षेत्र में पोद्दार के आवास एवं व्यावसायिक परिसरों के साथ-साथ बाबू सोना उर्फ राहुल दास, सन ग्रुप और जय कामदार के परिसरों सहित लगभग आठ स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

भारत की तरफ से खेलने का लंबे समय से सपना देख रहा था : विलियम्स

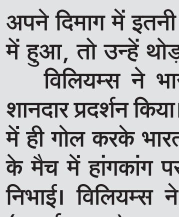

कोच्चि/भाषा। अपने पदार्पण मैच में गोल करने के बाद बेहद उत्साहित ऑस्ट्रेलिया में जन्मे भारतीय स्ट्राइकर रयान विलियम्स ने कहा कि भारत की तरफ से खेलना उनका सपना था और उन्होंने मैच से पहले उस पल (गोल करने) को अपने दिमाग में इतनी बार दोहराया था कि जब वह वास्तव में हुआ, तो उन्हें थोड़ा 'धुंधला' सा महसूस हुआ।

विलियम्स ने भारत के लिए अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मंगलवार को यहां चौथे मिनट में ही गोल करके भारत को एशियाई कप क्वालीफाइंग राउंड के मैच में हांगकांग पर 2-1 से जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विलियम्स ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में कहा, ''मैं लंबे समय से इसका सपना देख रहा था और इसे साकार करने के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि फुटबॉल के गढ़ रहे केरल में खेलते हुए आप पांच मिनट के अंदर गोल करके जीत में अहम भूमिका निभाएंगे।'' उन्होंने कहा, ''अचानक सब कुछ धुंधला सा हो गया। मुझे लगता है कि मैं फिसल गया और फिर मैंने दौड़ लगाई। मुझे समझ नहीं आया कि क्या करूं। क्योंकि मैंने मन ही मन उस गोल को करने का कई बार करने का सपना देखा था और फिर जब वह हुआ तो यह बहुत खास था। तब मैं भावनाओं से भर गया था।'' आकाश मिश्रा ने 50वें मिनट में भारत के लिए दूसरा गोल किया, जो उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल भी था, जिससे खालिद जमील की कोचिंग वाली टीम ने क्वालीफायर के तीसरे दौर में अपनी पहली जीत दर्ज की।

कॉनली ने परिपक्वता दिखाई, वह इस सत्र की खोज होगा: चहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने पदार्पण मैच में ही नाबाद अर्धशतक लगाने वाले कूपर कॉनली की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि ऑस्ट्रेलिया का यह युवा बल्लेबाज इस सत्र की खोज होगा।

कॉनली अभी 22 वर्ष के हैं। उन्होंने नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब किंग्स को मंगलवार को यहां अपने पहले मैच में गुजरात टाइटन्स पर तीन विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। चहल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''वह अभी केवल 22 साल का है, लेकिन उसमें जीत की प्रबल इच्छा है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए अपने पहले ही मैच में उसने जिस तरह का प्रदर्शन किया और मैच जिताने वाली पारी खेली, उससे पता चलता है कि वह मानसिक रूप से कितना परिपक्व है।'' तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए कॉनली ने दूसरे छोर पर विकेट गिरने के बावजूद एक छोर संभाले रखा अपने धैर्य का शानदार परिचय दिया। चहल ने कहा, ''वह स्थिति को अच्छी तरह से समझता है। वह इस बात को जानता है कि उसे आखिर तक टिके रहकर मैच खत्म करना होगा। इससे उसकी परिपक्वता का पता चलता है। यह हमारी टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।'' उन्होंने कहा, ''वह जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहा है मुझे लगता है कि वह इस सत्र की सबसे बड़ी खोज में से एक होगा।'' चहल ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए 28 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने बीच के ओवरों में दबाव बनाए रखा और गुजरात को छह विकेट पर 162 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई।

गुजरात टाइटन्स शीर्ष क्रम के तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर हैः चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

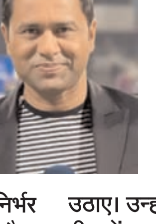

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई। चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा,''गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं। कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'' चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ''उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'' चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, ''उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच खत्म हो चुका था तब भी मो. सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।''

सुविचार

दूसरों की सफलता पर जलने के बजाय, उनसे प्रेरणा लें कि आप भी उस मुकाम तक कैसे पहुँच सकते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टूट गया ट्रंप का भ्रम?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए जा रहे बयानों से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के संबंध में असमंजस की स्थिति पैदा हो रही है। एक ओर वे ईरानी नेतृत्व को बातचीत का न्योता देते हैं, विचित्र दावे करते हैं, दूसरी ओर इस देश के महत्त्वपूर्ण ठिकानों पर बमबारी करते हैं। आखिर, ट्रंप इस संघर्ष के जरिए दुनिया को कहां लेकर जाना चाहते हैं? आज कई देशों में लोग तेल-गैस की किल्लत का सामना कर रहे हैं। मजदूर शहर छोड़कर गांव जा रहे हैं। उनके चेहरों से निराशा टपक रही है। इन सबका जिम्मेदार कौन है? नोबेल शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा दावेदार बनने की सनक में ट्रंप और क्या गुल खिलाएंगे? उन्होंने यह कहते हुए सबको चौंका दिया कि 'ईरान के नए शासन के राष्ट्रपति जो अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में कहीं कम कट्टर और कहीं अधिक बुद्धिमान हैं, ने अभी-अभी अमेरिका से युद्धविराम का अनुरोध किया है!' जब ईरान में पहले ही से राष्ट्रपति मौजूद हैं तो नए शासन के राष्ट्रपति कहां से आ गए? क्या ट्रंप ईरान में कोई कठपुतली सरकार बनाकर उसे मान्यता देना चाहते हैं? क्या अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान को 'पाषाण युग' में भेजने की धमकी देकर खुद को सर्वशक्तिमान घोषित करना चाहते हैं? वैसे, ईरान को काफी नुकसान हो चुका है। उसके सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह खामेनेई समेत कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी और आम नागरिक मारे गए हैं। ट्रंप ने हमला शुरू करने से पहले सोचा होगा कि खामेनेई की मौत के बाद ईरान की जनता सड़कों पर उतर आएगी और अमेरिका की जय-जयकार करेगी। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। ईरान के लोग खामेनेई की नीतियों से नाराज थे। पहले, उन्होंने महंगाई और मुद्रा में भारी गिरावट को लेकर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जरूर किया था।

इससे ट्रंप को भ्रम हुआ कि ईरान की जनता उन्हें अपना उद्धारकर्ता समझेगी। अब बमबारी में कितने लोग अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थन में नारे लगा रहे हैं? अब तक ट्रंप का भ्रम टूट गया होगा। वास्तव में यह पूरा अभियान गलत आकलन पर आधारित था। ईरान में आज भी राष्ट्रवाद जिंदा है। इसके नागरिक बेहतर नेतृत्व तो चाहते हैं, लेकिन उन्हें यह मंजूर नहीं कि कोई अमेरिकी कठपुतली उन पर थोप दी जाए। अगर ट्रंप किसी तरह वर्तमान ईरानी नेतृत्व को हटाकर नया नेतृत्व ले आएं तो उसे नागरिकों द्वारा स्वीकार किए जाने की संभावना कम ही है। अगर ईरान को उसके हाल पर छोड़कर सैन्य अभियान बंद कर दिया जाए तो उसे उबरने में वर्षों लगेंगे। इस देश के कई इलाके पूरी तरह तहस-नहस हो गए हैं। नवनिर्माण पर अरबों डॉलर खर्च करने होंगे। युद्ध रुकने का यह मतलब नहीं कि ईरान में जनजीवन तुरंत पटरी पर लौट आएगा। आम नागरिक पहले ही से महंगाई, बेरोजगारी का दंश झेल रहे थे। अब उन्हें इनके साथ जरूरी चीजों की किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। इससे जनता में आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है। अगर सरकार लोगों का जीवन स्तर बेहतर नहीं कर पाई तो उसके खिलाफ आंदोलन को हवा मिल सकती है। अमेरिका और इज़राइल उसका पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। उस स्थिति में कोई ऐसा चेहरा उभरकर सामने आ सकता है, जो ईरान की किस्मत बदलने का वादा करे। उसे पश्चिमी देशों से समर्थन मिल सकता है। निर्वासित 'क्राउन प्रिंस' रेज़ा पहलवी को ऐसा संभावित चेहरा माना जा रहा है। ध्यान रहे, जब उनके पिता की सत्ता थी, तब ईरान के आम लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। उस समय शाही परिवार अपने ऐशो-आराम और बड़ी-बड़ी पार्टियों पर बेदर्दी से धन लुटाता था। उससे मुक्ति पाने के लिए क्रांति हुई थी। वर्तमान संघर्ष ने इस देश के लिए बहुत मुश्किल राह खोल दी है। ईरान के लिए यह स्वाभिमान की लड़ाई है। अमेरिका अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। वहीं, इज़राइल के लिए यह अस्तित्व बचाने का संघर्ष है।

ट्वीटर टॉक

कला, इतिहास और विरासत की ये कहानियाँ केवल सीमित स्थानों तक न रहकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाना आवश्यक है। हमारी सभ्यता के उद्भव से लेकर स्वतंत्रता की प्राप्ति तक की यह यात्रा, ऋषि-मुनियों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से समृद्ध रही है।

-ओम बिरला

मानवता के अनन्य उपासक परम पूज्य डॉ. श्री श्री श्री शिवकुमार स्वामीजी को उनकी जन्म-जयंती पर कोटि-कोटि नमन! शिक्षा, समाज कल्याण और अध्यात्म के क्षेत्र में उनका अतुलनीय योगदान देश की हर पीढ़ी को निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा।

-नरेन्द्र मोदी

'रामजल सेतु परियोजना' की समीक्षा बैठक ली। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने और समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह परियोजना हमारे क्षेत्र के जल प्रबंधन ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक कदम है।

-भ जनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

लगन से ज्ञान

एक दिन एक स्कूल इंस्पेक्टर शहर से स्कूल का निरीक्षण करने के लिए आए। सहसा इंस्पेक्टर ने एक कठिन सवाल बच्चों से पूछ लिया। उसका जवाब किसी विद्यार्थी को नहीं आया। शिक्षक के चेहरे पर भय से पसीने की बूंदें छलकने लगीं। तभी स्कूल की खिड़की से झांकता एक अनजान बालक का चेहरा शिक्षक को दिखा। वह कुछ समझ पाते, तभी वह अनजान बालक कक्षा के अंदर आकर बोला, 'सर इसका जवाब मुझे पता है।' उस बालक ने बड़ी सहजता से इंस्पेक्टर के कठिन प्रश्न का जवाब दे दिया। यह देखकर इंस्पेक्टर दंग होकर बोले, 'बेटा, तुम किस कक्षा में पढ़ते हो?' बालक भोलेपन से बोला, 'मैं किसी कक्षा में नहीं पढ़ता। मैं तो इस ओर अपनी गाय चराने आता हूं। शिक्षक की बातें मुझे बहुत अच्छी लगती हैं। इसलिए मैं कक्षा की खिड़की से उनकी बातें सुनता रहता हूं। ये जानकर तो स्कूल इंस्पेक्टर, शिक्षक समेत सभी विद्यार्थी दंग रह गए। उसी समय स्कूल इंस्पेक्टर ने बच्चे का प्रवेश कराने के साथ-साथ उसे छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्देश दिया। इस तरह बालक की शिक्षा शुरू हुई। आज पूरी दुनिया उस बालक को डॉ. राधा बिनोद पाल के नाम से जानती है।

हनुमान जयंती

सामयिक

भक्ति, शक्ति और समर्पण का अद्भुत संगम

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

हनुमान जयन्ती का पावन पर्व हिंदू धर्मानुयायियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी उत्सव है। यह दिन भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति, निष्ठा और त्याग के प्रतीक हैं। यह पर्व हर वर्ष चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है, और वर्ष 2026 में यह 2 अप्रैल को है। हनुमान जी का चरित्र अद्भुत है, क्योंकि वे एक ओर असीम बल के स्वामी हैं तो दूसरी ओर विनम्रता की प्रतिमूर्ति। वे शिव के ग्यारहवें रुद्र अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पवन देव के आशीर्वाद से हुआ, इसलिए वे पवनपुत्र कहलाए। उनके जन्म की कथा अत्यंत प्रेरणादायक है, जिसमें माता अंजना की तपस्या और भगवान शिव का वह अंश समाहित है जो संसार को बुराइयों से मुक्ति दिलाने के लिए अवतरित हुआ। हनुमान जी के बचपन की वह कथा आज भी बच्चों से लेकर वृद्धों तक के मन में रोमांच भर देती है, जब उन्होंने सूर्य देव को एक लाल फल समझकर निगलने का प्रयास किया था। यह घटना उनके उस अदम्य साहस और अलौकिक क्षमता का प्रतीक है, जो सीमाओं से परे है। इंद्र के वज्र प्रहार से उनकी ठुड्डी पर लगी चोट ने उन्हें 'हनुमान' नाम दिया, लेकिन उसी क्षण देवताओं द्वारा मिले वरदानों ने उन्हें अपराजेय बना दिया। ब्रह्मा जी ने उन्हें लंबी आयु का वरदान दिया, तो अग्नि ने उन्हें आग से न जलने का और वरुण ने जल से सुरक्षित रहने का आशीष दिया। ये वरदान केवल व्यक्तिगत सिद्धियाँ नहीं थीं, बल्कि भविष्य में होने वाले धर्म और अधर्म के युद्ध की तैयारी थी। हनुमान जयंती पर जब हम उनके जीवन का स्मरण करते हैं, तो उनकी शिक्षा-दीक्षा का प्रसंग भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने सूर्य देव से वेदों का ज्ञान प्राप्त किया और व्याकरण में इतनी निपुणता हासिल की कि वे 'महाव्याकरण' कहलाए। उनका व्यक्तित्व बल और बुद्धि के विलक्षण समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण है।

हनुमान जयंती का यह पावन अवसर हमें आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। क्या हम अपने भीतर के डर को जीत पा रहे हैं? क्या हम समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं? क्या हमारी शक्ति दूसरों की भलाई के लिए प्रयुक्त हो रही है?

रामचरितमानस और रामायण में हनुमान जी की भूमिका एक ऐसे सेतु की तरह है, जो विरक्त को अनुराग से और भक्त को भगवान से जोड़ती है। ऋष्यमूक पर्वत पर जब उनकी भेंट श्री राम से हुई, तो वह मिलन इतिहास का सबसे पवित्र मिलन बन गया। एक साधारण वानर के वेश में वे अपने प्रभु के पास गए, लेकिन राम की पारखी नजरों ने पहचान लिया कि यह कोई साधारण जीव नहीं है। इसके बाद हनुमान जी का पूरा जीवन राममय हो गया। हनुमान जयंती के इस अवसर पर उनके द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का विश्लेषण करना आवश्यक है। समुद्र लांघने की उनकी क्षमता हमें सिखाती है कि यदि आत्मविश्वास दृढ़ हो, तो सौ योजन का विशाल सागर भी छोटा पड़ जाता है। लंका में अशोक वाटिका के भीतर माता सीता की खोज करना और उन्हें प्रभु राम की मुद्रिका देना उनके धैर्य और बुद्धिमानी की पराकाष्ठा थी। उन्होंने लंका दहन के माध्यम से रावण के अहंकार की लंका को भस्म किया, जो यह संदेश देता है कि अधर्म कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, सत्य की एक लौ उसे राख करने के लिए पर्याप्त है। हनुमान जी का 'सुंदरकांड' केवल एक अध्याय नहीं है, बल्कि वह जीवन के हर मोड़ पर हार रहे मनुष्य के लिए विजय का मंत्र है। लक्ष्मण के प्राणों की रक्षा के लिए जब वे द्रोणागिरि पर्वत उठाने गए, तो वे केवल एक जड़ी-बूटी नहीं लाए, बल्कि उन्होंने सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा के मार्ग पर असंभव शब्द का कोई स्थान नहीं है। यदि औषधि की पहचान नहीं हो सकी, तो उन्होंने पूरे पर्वत को ही उठा लिया-यह उनके निर्णय लेने की क्षमता और कार्य के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाता है।

हनुमान जयंती की पूजा विधि और इसमें निहित प्रतीकों का भी गहरा आध्यात्मिक अर्थ है। भक्त मंदिरों में जाकर हनुमान जी को सिंदूर अर्पित करते हैं। इसके पीछे वह प्रसिद्ध कथा है जिसमें उन्होंने माता सीता को अपनी मांग में सिंदूर लगाते देखा था और जब उन्हें पता चला कि यह श्री राम की लंबी आयु के लिए है, तो उन्होंने अपने पूरे शरीर पर ही सिंदूर मल लिया। यह निश्छल भक्ति का वह स्वरूप है जहाँ भक्त अपने आराध्य की प्रसन्नता के लिए स्वयं को पूरी तरह समर्पित कर देता है। हनुमान चालीसा का पाठ, जो गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित है, आज दुनिया के कोने-कोने में गूंजता है। इसकी हर पंक्ति में एक विशेष ऊर्जा है। 'भूत पिशाच निकट नहीं आवै' जैसी पंक्तियाँ मनुष्य को अज्ञात भय से मुक्ति दिलाती हैं। हनुमान जयंती पर भंडारों का आयोजन और 'बूंदी के लड्डू' का भोग सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जहाँ समाज के हर वर्ग के लोग एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह पर्व हमें यह भी सिखाता है कि शक्ति का उपयोग सदैव रक्षा और सेवा के लिए होना चाहिए। हनुमान जी चाहते तो स्वयं रावण का वध कर सकते थे, उनमें इतनी सामर्थ्य थी, लेकिन उन्होंने सदैव अपने प्रभु की आज्ञा का पालन किया और खुद को एक सेवक के रूप में ही प्रस्तुत किया। उनकी यह विनम्रता आज के आधुनिक युग के लिए एक बहुत बड़ी सीख है, जहाँ थोड़े से अधिकार मिलते ही मनुष्य अहंकार से भर जाता है।

आधुनिक संदर्भ में हनुमान जयंती की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। आज का मनुष्य मानसिक तनाव, अवसाद और आत्मविश्वास की कमी से जूझ रहा है। हनुमान जी का व्यक्तित्व हमें आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाता है। जामवंत जी द्वारा हनुमान जी की सोई हुई शक्ति को याद दिलाना इस बात का प्रतीक है कि हम सबके भीतर अनंत शक्तियाँ छिपी हैं, बस हमें एक सही दिशा और आत्मबोध की आवश्यकता है। हनुमान जयंती पर अखाड़ों में होने वाले आयोजन हमें शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन के प्रति सचेत करते हैं। वे ब्रह्मचर्य के पालक हैं, जो इंद्रिय निग्रह और मानसिक एकाग्रता का मार्ग है। विद्यार्थी जीवन के लिए हनुमान जी का चरित्र आदर्श है क्योंकि वे एक कुशल वक्ता, चतुर कूटनीतिज्ञ और एकाग्रचित्त साधक हैं। उनकी पूजा करने से व्यक्ति को केवल धार्मिक लाभ नहीं मिलता, बल्कि उसे अनुशासन, समयबद्धता और निष्ठा की भी प्रेरणा मिलती है। हनुमान जी 'अष्टसिद्धि और नवनिधि' के दाता हैं, लेकिन वे ये सिद्धियाँ केवल उसे प्रदान करते हैं जो धर्म के मार्ग पर अडिग रहता है। वे 'चिरंजीवी' हैं, जिसका अर्थ है कि वे हर युग में विद्यमान हैं। ऐसी मान्यता है कि जहाँ भी रामकथा होती है, वहाँ हनुमान जी किसी न किसी रूप में अदृश्य रूप से उपस्थित रहते हैं। यह अटूट विश्वास ही भक्तों को कठिन से कठिन समय में भी संबल प्रदान करता है।

निष्कर्षतः, हनुमान जयंती का यह पावन अवसर हमें आत्म-मंथन के लिए प्रेरित करता है। क्या हम अपने भीतर के डर को जीत पा रहे हैं? क्या हम समाज की सेवा के लिए तत्पर हैं? क्या हमारी शक्ति दूसरों की भलाई के लिए प्रयुक्त हो रही है? हनुमान जी का पूरा जीवन 'परोपकाराय पुण्याय' का जीवंत दस्तावेज है। उनकी भक्ति में कोई शर्त नहीं थी, कोई मांग नहीं थी। उन्हें जब विदा करते समय कीमती मोतियों की माला दी गई, तो उन्होंने उन्हें दांतों से तोड़कर फेंक दिया क्योंकि उनमें 'राम' नहीं दिख रहे थे। ऐसी अनन्य भक्ति ही मनुष्य को साधारण से असाधारण और जीव से शिव बनाती है। आज के दौर में जब विश्व अनेक चुनौतियों से घिरा है, हनुमान जी का 'बजरंग' रूप हमें साहस देता है और उनका 'शांत' रूप हमें धैर्य। हनुमान जयंती हमें विश्वास दिलाती है कि यदि हम निष्ठापूर्वक अपने मार्ग पर चलते रहें, तो बाधाएँ चाहे कितनी ही विकट क्यों न हों, विजय अंततः हमारी ही होगी। इस दिन हमें केवल दीये नहीं जलाने चाहिए, बल्कि अपने भीतर के अंधकार को मिटाने का संकल्प लेना चाहिए। भगवान हनुमान की कृपा हम सब पर बनी रहे और हम उनके पदचिह्नों पर चलते हुए एक बेहतर समाज और राष्ट्र का निर्माण कर सकें, यही इस जयंती की सच्ची सार्थकता होगी। अंत में यही कहा जा सकता है कि हनुमान जी की महिमा अपार है, वे बुद्धिमानों में अग्रगण्य हैं, बलवानों में श्रेष्ठ हैं और भक्तों के हृदय में सदैव निवास करने वाले प्राणस्वरूप हैं। उनकी जयन्ती हमें उस शाश्वत सत्य की याद दिलाती रहती है कि ईश्वर के प्रति समर्पण ही वह एकमात्र चाबी है जिससे मोक्ष और सांसारिक सफलता दोनों के द्वार खुलते हैं।

नजरिया

अमेरिकी साख को बट्टा लगाती ट्रंप की यू-टर्न राजनीति

मनीष कुमार चौधरी

मोबाइल : 9829453147

अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप जिस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं और जिस तरह के अविवेक भरे कदम उठा रहे हैं, वे उनकी अमेरिका फर्स्ट' की नीति से उलट हैं। विश्व के अन्य देशों को कुछ भी नहीं समझने का ट्रंप का सयानापन अमेरिका को बाकी दुनिया से अलग-थलग कर रहा है। अमेरिका के लिए यह चिंता की बात इसलिए भी होनी चाहिए कि कुछ समय पहले जारी सोशल प्रोग्रेस इंडेक्स अध्ययन में जीवन की गुणवत्ता के मामले में अमेरिका 1%1 देशों में 32वें स्थान पर है और पोलैंड, लिथुआनिया और साइप्रस जैसे देशों से पीछे है। पिछले कुछ वर्षों में रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक, दोनों राष्ट्रपतियों के समय में रैंकिंग में अमेरिका लगातार नीचे गिरता चला आ रहा है। वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स 2026 में भी अमेरिका 23वें नंबर पर जा पहुंचा है, जो एक दशक पहले 15वें नंबर पर था। अमेरिका ने एक आर्थिक और सामाजिक प्रगति की महाशक्ति बनकर शीतयुद्ध जीता था। लेकिन पिछले 30 वर्षों में अमेरिका ने आर्थिक प्रगति को प्राथमिकता पर रखा है और सामाजिक प्रगति के प्रति उदासीन रहा। उसका यह जीडीपी विकास उन चीजों में बदलने में पीछे रह गया है, जिनकी आम लोगों को सबसे अधिक परवाह है। रही-सही कसर डोनाल्ड ट्रंप के अपरिपक्व फैसलों ने पूरी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की लगातार गिरती साख अमेरिकियों के लिए खतरे की घंटी होनी चाहिए। ईरान युद्ध में उनके दावों-प्रतिदावों और बार-बार यू-टर्न लेने की अदा तो किसी मसखरे-सी हो चली है। अपनी कारगुजारियों से ट्रंप एक शोमैन, विघटनकारी, अल्प ज्ञान और आवेग पर चलने वाले व्यापारी किस्म के खिलंदड़ राजनेता नजर आते हैं। पहले रूस-यूक्रेन युद्ध में मध्यस्थता का असफल प्रयास, यूएन पर अविश्वास जताकर बोर्ड ऑफ पीस (बीओपी) को लॉन्च करना, नोबेल पुरस्कार पर छिछोरी राजनीति, रूस और चीन से खतरों का हवाला देकर मॉरीशस को चागोस द्वीप समूह वापस सौंपने के ब्रिटिश फैसले पर सवाल उठाना, फिर वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो को बलात उठा लाना, ग्रीनलैंड और क्यूबा पर कुदृष्टि रखना.. और अब ईरान के साथ एक अतार्किक युद्ध में अमेरिका के साथ-साथ पूरी दुनिया को उलझा देना अविश्वसनीय तथा भ्रामक आकांक्षाओं के दायरे में है। 'अमेरिका फर्स्ट' सिद्धांत के संदर्भ में उनकी हर नीति का क्रियान्विति के स्तर पर विफलता में बदल जाना उनके खुद के देश अमेरिका के नागरिकों के बीच गलत कदमों के रूप में चिन्हित किया जा रहा है। ईरान के खिलाफ जबरन थोपी जंग के खिलाफ हाल ही ट्रंप के विरोध में अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 'नो किंग्स' प्रदर्शन हुए। करीब 80 लाख लोगों ने ट्रंप का इस्तीफा मांगा।

ट्रंप को आर्थिक या रणनीतिक साझेदार के रूप में यूरोप की बहुत कम चिंता है, जो इसे अपनी भू-राजनीतिक प्रासंगिकता से वंचित करता है। कुछ समय पहले ट्रंप ने नाटो सदस्यों के अनिवार्य वित्तीय योगदान को सकल घरेलू उत्पादन के दो प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था, जो नाटो के 32 में से केवल 23 सदस्य ही पूरा कर पाते हैं।

लगता है ट्रंप उन्नीसवीं सदी के 'पामर्स्टन' सिद्धांत पर आधारित विदेश नीति से प्रभावित हैं कि किसी देश का कोई शाश्वत सहयोगी और कोई शाश्वत शत्रु नहीं होना चाहिए; केवल शाश्वत हित होने चाहिए। ट्रंप की विदेश नीति और बयानबाजी का उपयोग उनके दंभी शक्ति प्रक्षेपण पर भी आधारित है, जो अमेरिका द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, सबसे बड़ी सेना और वैश्विक वित्तीय लेन-देन की नींव होने के कारण सक्षम है। बहुत कम ही देश ऐसे होंगे जो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयानबाजी की ऐसी धृष्टता का प्रयोग करने के आदी हैं जो अब अमेरिकी राजनीति (विशेषकर ट्रंपनुमा) में आम बात हो गई है। पहले यह कहना कि ईरान पर सैन्य क्षमता का इस्तेमाल ज्यादा करेंगे, फिर उस बात से पीछे हट जाना। बाजार में उनकी यह नीति 'टाको ट्रेड' (ट्रंप ऑलवेज चिकन आउट यानी ट्रंप हमेशा पीछे हट जाते हैं) के रूप में चर्चित हो चुकी है। टाको ट्रेड एक ऐसी मार्केट स्ट्रैटेजी है जो डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर लागू होती है। इसमें यह उम्मीद की जाती है कि ईरान के खिलाफ शुरुआती मार्केट में उतार-चढ़ाव पैदा करने के बाद ट्रंप अपनी धमकी वाली सख्त कार्रवाइयों से पीछे हट जाएंगे। ट्रंप की एकतरफा कार्रवाइयां द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की व्यवस्था के मूलभूत सिद्धांतों अर्थात अन्य देशों की संप्रभुता, राज्यों की समानता, क्षेत्रीय अखंडता, कानून के शासन के प्रति सम्मान पर समझ में आने वाला संदेह पैदा करती हैं। ट्रंप में एक ऐसे राष्ट्रपति की झलक दिख रही है जो बलपूर्वक कार्रवाई और तीखे राजनीतिक विभाजन के असामान्य संयोजन से आकार लेता है। ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरू से ही स्पष्ट कर दिया था कि वे यथास्थिति को चुनौती देंगे। लेकिन उन नीतियों के अदूरदर्शी कार्यपालन और गलत टाइमिंग ने न सिर्फ अमेरिका में उनके लिए उलझन पैदा कर दी है, समूचे विश्व में उनकी छीछालेदर हो रही है। किसी महाशक्ति के राष्ट्राध्यक्ष के लिए लिए नीतियों में लचीलापन, गठबंधन निर्माण और जटिल वास्तविकताओं की समझ की भी आवश्यकता होती है।अमेरिकी विनिर्माण को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से व्यापार कार्रवाइयों के कारण पहले ही पारंपरिक सहयोगियों के साथ तनाव बढ़ा हुआ था, अब ईरान के साथ युद्ध में ट्रंप के अव्यावहारिक फैसलों से दुनिया भर की आर्थिकी अस्थिरता और अनिश्चितता के घेरे में आ गई है। दृढ़ता और व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाने की उनकी कमजोर क्षमता यानी यह जानना कि कब दृढ़ रहना है और कब अनुकूलन करना है, इस मोर्चे पर ट्रंप बचकाने साबित होते दिख रहे हैं। दुनिया को ट्रंप की सनक का जनवरी 2026 में न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में भान हुआ था, जब उनसे पूछा गया कि उनकी अथॉरिटी पर क्या रोक है, तो ट्रम्प ने बड़ा ही हैरतअंगेज जवाब दिया था- मेरी अपनी नैतिकता। मेरा अपना दिमाग। यही एकमात्र चीज है जो मुझे रोक सकती है। मुझे इंटरनेशनल कानून की जरूरत नहीं है।' यह बयान दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश के एक ऐसे बेताब नेता की मानसिकता दिखाता है जो कूटनीति के बजाय निजी अंतर्ज्ञान और धारणाओं में विश्वास करता है। भले ही यह ग्लोबल व्यवस्था तथा ग्लोबल संस्थानों को बर्बाद करने की कीमत पर किया गया हो। ट्रंप तो यहां तक दावा करते हैं कि मेरा पूरा जीवन सौदों के लिए है।' माना जाने लगा है कि यदि उनका प्राथमिक लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है तो वे अपनी जुबान से कभी भी पलट सकते हैं। इतिहास में किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति ने इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, वैश्विक स्तर पर इतनी अराजकता नहीं फैलाई होगी या इतने लोगों को इतनी तेजी से या व्यापक पैमाने पर नुकसान नहीं पहुंचाया होगा, जैसा कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में किया है। वे वन मैन शो' के एकमात्र अदाकार की तरह दुनिया की सबसे बड़ी फौजी और आर्थिक ताकत को हांक रहे हैं।

ट्रंप को आर्थिक या रणनीतिक साझेदार के रूप में यूरोप की बहुत कम चिंता है, जो इसे अपनी भू-राजनीतिक प्रासंगिकता से वंचित करता है। कुछ समय पहले ट्रंप ने नाटो सदस्यों के अनिवार्य वित्तीय योगदान को सकल घरेलू उत्पादन के दो प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था, जो नाटो के 32 में से केवल 23 सदस्य ही पूरा कर पाते हैं। यह तर्क पूरी तरह से अमेरिकियों की दशकों से चली आ रही इस धारणा पर आधारित है कि यूरोप संयुक्त राज्य अमेरिका की कीमत पर अपनी सुरक्षा और समृद्धि के लिए मुफ्त सवारी का आनंद लेता है। ईरान के साथ टकराव के बाद नाटो सदस्यों का दखल न देना और ट्रंप का उन पर बिफरना कुछ-कुछ ऐसा जताना है, मानो वे नाटो के सदस्य देशों को कह रहे हों कि नाटो देश उनका अहसान नहीं चुका रहे। बगैर इस बात की परवाह किए कि उनके इस तरह के अनैतिक व्यापारिक व्यवहार से अमेरिका का बाकी दुनिया से जुड़ाव तो कम हो ही रहा है, उसकी साख पर भी बट्टा लग रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रोड शो

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, नितिन नबीन ने केरल विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी उम्मीदवार के समर्थन में एक रोड शो किया।

पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल', मुझे प्रस्तुति की अनुमति नहीं दी गईः हेमा मालिनी

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद और फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने पश्चिम बंगाल में 'सांस्कृतिक आपातकाल' लागू होने का आरोप लगाते हुए बुधवार को दावा किया कि राज्य में उनकी पहले से निर्धारित नृत्य प्रस्तुति को राज्य सरकार ने बहाने बनाकर आयोजित नहीं होने दिया।

शास्त्रीय नृत्यांगना हेमा मालिनी ने लोकसभा में शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा, ''मुझे अपनी नृत्य नाटिकाओं से संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जिसे सभी ने राजनीति से उठकर सराहा है।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन देश की सांस्कृतिक दूत होने के नाते आज मैं बहुत दुखी, असहाय महसूस कर रही हूं और नाराज भी हूं कि पश्चिम बंगाल जिसे कला और संस्कृति की राजधानी कहा जाता था, वहां आज राजनीतिक नियंत्रण की छाया है। ऐसा वह सरकार कर रही है जिसे जनता ने अपनी कला, साहित्य और संस्कृति को बचाने के लिए चुना था।''

उन्होंने आरोप लगाया कि गत 15 मार्च को कोलकाता में उनकी एक नृत्य प्रस्तुति 'द्रौपदी बैले' को आयोजन से दस दिन पहले निरस्त कर दिया गया और उसके लिए कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया, बल्कि तरह-तरह के बहाने बनाए गए।

हेमा मालिनी ने कहा कि जब दूसरे सभागार में कार्यक्रम का प्रयास किया गया तो यह कहकर अनुमति नहीं दी गई कि वहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी कार्यक्रम है, लेकिन जब पता किया तो प्रधानमंत्री का कार्यक्रम स्थल कहीं और था।भाजपा सांसद ने कहा, ''पिछले आठ-नौ साल से मेरे साथ ऐसा हो रहा है। जब भी कोलकाता में मेरा कार्यक्रम होता है तो कोई बहाना बनाकर रोक दिया जाता है। कहा जाता है कि बहुत भीड़ आएगी और सुरक्षा व्यवस्था नहीं की जा सकती। हम वहां सुरक्षा के बिना प्रस्तुति दे भी नहीं सकते, ऐसा हाल है।''

उन्होंने कहा, ''पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार को लगता है कि मैं भाजपा की सांसद हूं तो हमारे कार्यक्रम का भी राजनीतिक मकसद होगा। यह सोचकर कभी आने नहीं दिया आज तक। इस बार भी ऐसा ही किया गया।

सिंगापुर की गलियों में बसा मौनी रॉय का दिल

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो 'सॉसी' की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, ''इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी।'' मौनी ने कहा, ''शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।''

गाना 'सॉसी' गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम 'वॉकिंग ऑन वॉटर' का हिस्सा है।डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है।उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया। वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। 'सॉसी' ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

शिरडी मंदिर पहुंचकर प्रार्थना बेहेरे ने लिया आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

महाराष्ट्र के शिरडी में इन दिनों मराठी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री प्रार्थना बेहेरे अपकमिंग फिल्म 'साखे ग सजनी' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म रिलीज से पहले उन्होंने शिरडी मंदिर पहुंचकर आशीर्वाद लिया और अपनी फिल्म के बारे में आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने फिल्म की कहानी और उससे जुड़े भाव को भी विस्तार से साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए प्रार्थना बेहेरे ने कहा, 'साखे ग सजनी' एक ऐसी कहानी है, जो दोस्ती और जिंदगी के बदलाव को बहुत ही खास तरीके से दिखाती है। फिल्म में तीन दोस्तों की कहानी है, जो एक सोलो ट्रिप पर निकलते हैं। यह ट्रिप सिर्फ एक घूमने-फिरने का सफर नहीं होता, बल्कि उनके जीवन को पूरी तरह बदल देने वाला अनुभव बन जाता है। उन्होंने बताया, ''इस यात्रा के दौरान जो घटनाएं होती हैं, वही इस फिल्म की असली कहानी है और यही इसे खास बनाती है।'' उन्होंने आगे कहा, ''आज के समय में लोग ट्रैवल को सिर्फ मनोरंजन या छुट्टी के तौर पर देखते हैं, लेकिन कई बार यही यात्राएं इंसान को खुद से जोड़ने और जीवन को नए नजरिए से देखने का मौका देती हैं। 'साखे ग सजनी' भी इसी भाव को दर्शाती है, जहां दोस्ती, अनुभव और आत्म-खोज एक साथ आते हैं। दर्शक इस कहानी से खुद को जोड़ पाएंगे। इसमें आम जिंदगी के एहसास और रिश्तों की सच्चाई को दिखाया गया है।''

प्रार्थना बेहेरे ने कहा, ''मुझे अपने दर्शकों पर पूरा भरोसा है कि लोग इस फिल्म को थिएटर में देखने जरूर आएंगे और इसे उतना ही प्यार देंगे, जितना उनके पिछले प्रोजेक्ट्स को मिला है।'' अगर प्रार्थना बेहेरे के करियर की बात करें, तो उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की शुरुआत कर दी थी। उन्होंने सबसे पहले मराठी सिनेमा में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी पहचान बनाई। साल 2009 में उन्होंने मराठी फिल्म 'रीता' से करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 'माई लेक' जैसी फिल्मों में काम किया और अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा।टीवी इंडस्ट्री में भी प्रार्थना बेहेरे ने मजबूत पहचान बनाई। उन्होंने जी टीवी के लोकप्रिय शो 'पवित्र रिश्ता' में वैशाली करंजकर का किरदार निभाया, जिससे उन्हें घर-घर में पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी कदम रखा। साल 2011 में उन्होंने 'लव यू मिस्टर कलाकार' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और उसी साल 'बॉडीगार्ड' में भी नजर आईं। मराठी फिल्मों में प्रार्थना ने 'मितवा', 'कॉफी एनी बराच काही', 'वक्रतुंड महाकाय', 'मिस्टर एंड मिसेज सदाचारी' और 'फुगे' जैसी फिल्मों में काम किया।

प्रदर्शन

पटियाला के सरकारी राजिंदरा अस्पताल में ग्रेड पे की अपनी मांग के समर्थन में पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान यूनाइटेड नर्सिंग एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रदर्शन किया।

एआई शक्ति के रूप में उभरने के लिए स्वदेशी क्षमता और नैतिक शासन को आधार बनाये भारत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों ने बुधवार को दिल्ली में एक चर्चा के दौरान कहा कि वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) शक्ति के रूप में उभरने के लिए भारत को स्वदेशी क्षमता और नैतिक शासन को आधार बनाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रौद्योगिकी व्यापक जनहित में काम करे। एक बयान के अनुसार, दिल्ली स्थित थिंक टैंक भारत की सोच द्वारा आयोजित पुस्तक चर्चा श्रृंखला के तहत इस सत्र का आयोजन हुआ जिसमें इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि प्राचीन भारतीय ज्ञान, विशेष रूप से अर्थशास्त्र कैसे एआई के माध्यम से उत्पन्न आधुनिक भू-राजनीतिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा प्रदान करता है।विशेषज्ञों ने कहा कि डिजिटल युग में भारत के नेतृत्व को केवल गति से नहीं मापा जा सकता है और इस बात पर जोर दिया कि तकनीकी प्रगति को जन कल्याण की व्यापक दृष्टि के साथ तालमेल बिठाना होगा।

भारत की सोच के निदेशक आर. के. पचनंदा ने कहा, ''भारत से वैश्विक स्तर पर शीर्ष एआई शक्तियों में से एक बनने का आह्वान किया जाता है।

प्रचार

गुवाहाटी में विधानसभा चुनाव से पहले सेंट्रल गुवाहाटी निर्वाचन क्षेत्र से असम जातीय परिषद के उम्मीदवार कुंकी चौधरी ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के साथ प्रचार किया।

प्रदर्शन

कोलकाता में मुख्य चुनाव अधिकारी के ऑफिस के बाहर बूथ लेवल ऑफिसर ने विरोध प्रदर्शन किया।

डिंपल कपाड़िया को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत, अनीता आडवाणी-राजेश खन्ना के रिश्ते को कानूनी मान्यता देने की याचिका खारिज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनीता आडवाणी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका लगा है क्योंकि कोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उनके और दिवंगत अभिनेता राजेश खन्ना के रिश्ते को कानूनी मान्यता देने की बात कही गई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अभिनेत्री अनीता आडवाणी की अपील खारिज कर दी है और रिश्ते को शादी का कानूनी दर्जा देने की मांग को गलत बताया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने डिंडोशी सेशन कोर्ट के पहले के फैसले को बरकरार रखा है। बता दें कि यह मामला राजेश खन्ना के 2012 में निधन के बाद से ही विवादों में रहा है। राजेश खन्ना के परिवार और अनीता आडवाणी के बीच लंबे समय से कानूनी लड़ाई चल रही है। जस्टिस शर्मिला देशमुख की पीठ ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद साफ शब्दों में कहा, फर्स्ट अपील डिसमिस्ड, यानी अपील खारिज की जाती है।

हालांकि, इस मामले में विस्तृत आदेश अभी जारी होना बाकी है। सुनवाई के दौरान डिंपल कपाड़िया, ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की ओर से पेश पक्ष को भी अदालत ने सुना। अनीता आडवाणी का कहना था कि वह राजेश खन्ना के साथ लंबे समय तक रिश्ते में थीं और यह रिश्ता शादी जैसा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि अभिनेता की मौत के बाद उन्हें उनके बंगले 'आशीर्वाद' से बाहर कर दिया गया। उन्होंने अभिनेता की संपत्ति में भी हिस्सेदारी की मांग की थी। इतना ही नहीं, अभिनेत्री अनीता ने अक्षय कुमार, डिंपल कपाड़िया और ट्विंकल खन्ना के खिलाफ भी घरेलू हिंसा व मारपीट का केस दर्ज कराया था।

भोजपुरी एल्बम 'शहरिया' जल्द होगा रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार और गायक पवन सिंह, जिन्हें 'पावर स्टार' कहा जाता है, इन दिनों साउथ सिनेमा में अपनी सिंगिंग डेब्यू के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच, अभिनेता अपने भोजपुरी फैंस को एक और धमाकेदार म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' का तोहफा देने जा रहे हैं। पवन सिंह ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' से एक पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी। इसी के साथ अभिनेता ने एल्बम का पोस्टर भी जारी किया। पोस्टर में पवन सिंह के साथ शिवानी सिंह नजर आ रही हैं। 'शहरिया' के पोस्टर में दोनों ही कलाकारों का लुक काफी शानदार नजर आ रहा है। म्यूजिक वीडियो जल्द ही 'एस मनोरंजन' नामक यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा, जिसका फैंस अब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। म्यूजिक एल्बम 'शहरिया' में लोगों को पवन सिंह की दमदार गायकी के साथ-साथ शिवानी सिंह के साथ उनकी शानदार जोड़ी देखने को मिलेगी।

बता दें, इन दिनों पवन सिंह ने एक्टर अदिवि शेष की आगामी बहुभाषी फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' से साउथ (तेलुगु) सिनेमा में धमाकेदार सिंगिंग डेब्यू किया है। उन्होंने इस फिल्म में 'टच बडी' गाने को अपनी दमदार आवाज दी है, जो कि हिंदी और तेलुगु दोनों ही भाषाओं में 28 मार्च को रिलीज हुआ।

'टच बडी' गाने में पवन सिंह के साथ जोनिता गांधी ने भी अपनी शानदार आवाज दी है, जो लोगों को काफी पसंद आ रहा है। गाने की लोकप्रियता के साथ ही भोजपुरी के सुपरस्टार की पहुंच अब बॉलीवुड के साथ-साथ साउथ सिनेमा में भी मजबूत हो रही है। शेनिल देव द्वारा निर्देशित एक रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म 'डकैत: एक प्रेम कथा' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मूवी में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं को निभाते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक गुस्से से भरे कैदी के ईर्द-गिर्द है, जो धोखा का बदला लेने के लिए निकलता है।

बिहार मेरी पहचान की नींव है : पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे भारतीय जब अपनी संस्कृति और परंपराओं को मनाते हैं, तो वह सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि अपनी पहचान और जड़ों से जुड़ने का एक खास मौका बन जाता है। जापान की राजधानी टोक्यो में भी ऐसा ही एक भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय समुदाय एकत्र हुए। इस खास मौके पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे बिहार की मिट्टी ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से आकार दिया है। इस अवसर पर पंकज त्रिपाठी ने बताया कि उनकी सादगी, संघर्ष और संवेदनशीलता सब कुछ बिहार से ही आया है। उन्होंने कहा, ''बिहार की मिट्टी से जो सादगी और संघर्ष मिलता है, वही मेरी पहचान की नींव है। बिहार सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो हर बिहारी के भीतर हमेशा जीवित रहता है। मुझे यहां भी वही अपनापन महसूस हो रहा है, क्योंकि यहां मौजूद हर व्यक्ति के दिल में बिहार बसा हुआ है। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास है।''

उन्होंने कहा, ''बिहार के लोग कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत, ईमानदारी और सपनों के साथ आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि आज दुनिया भर में बिहारी अपनी मेहनत और काबिलियत से पहचान बना रहे हैं। चाहे कला हो, शिक्षा, व्यापार या सार्वजनिक सेवा, हर क्षेत्र में बिहारी लोग लगातार अपना योगदान दे रहे हैं और भारत की छवि को मजबूत कर रहे हैं।'' अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''विदेश में आयोजित ऐसे कार्यक्रम हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। ये हमें हमारी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की याद दिलाते हैं। यह मेरे जीवन के शुरुआती संघर्षों और सफर की याद दिलाता है, जिसने मुझे आज एक सफल कलाकार बनाया।' पंकज त्रिपाठी ने कहा, ''इस कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ शामिल होना मेरे लिए और भी भावनात्मक अनुभव है। यह सिर्फ एक राज्य का जश्न नहीं है, बल्कि यह अपनी आने वाली पीढ़ी को अपनी पहचान और संस्कृति से जोड़ने का एक जरिया भी है। वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ते समय अपनी जड़ों से जुड़े रहना बेहद जरूरी है।'' उन्होंने बिहार को एक ऐसी कहानी बताया जो विरासत, सीख और असीम संभावनाओं से भरी है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि वह खुद को इस कहानी का एक छोटा सा हिस्सा मानते हैं।

दुनिया को दिखाने के लिए नहीं, खुद को देखने के लिए होते हैं उत्सव : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। नवपद आयंबिल की साधना के आठवें दिन बुधवार को जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में मरुधर शांति भवन में आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अनेक महापुरुष समय समय पर इस संसार में जन्म लेते हैं और धर्म, समाज व मानवता के उद्धार का कार्य कर एक दिन वे विदा हो जाते हैं। उनकी विदाई के बाद भी उन्हें जीवंत रखने का एक ही तरीका है, उनके पदचिन्हों पर निरंतर आगे बढ़ना।तीर्थंकरों, अवतारों, आचार्यों, साधु-संतों और विशिष्ट व्यक्तियों के विभिन्न उत्सव प्रेरणा के लिए मनाए जाते हैं। हम सभी को याद रखना चाहिए कि ये उत्सव मात्र सजावट, नाचगान, भोजन समारोह या मनोरंजन के लिए नहीं अपितु अंतरजागृति और प्रेरणाओं के लिए होते हैं। जरूरी है कि आयोजनों में उत्सवों के पीछे रही मूल भावनाओं को कभी भुलाया नहीं जाए।जैनाचार्य ने कहा कि समाज अक्सर उत्सवप्रियता में बह जाता है और मूल उद्देश्य कहीं पीछे छूट जाते हैं। स्वतंत्रता दिवस, शिवाजी जयंती, दीपावली, राम नवमी, जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, पर्युषण, महावीर जन्म कल्याणक, रक्षा बंधन, पोंगल, गुड़ी पाड़वा, उगादि, नव संवत्सर आदि सभी में उत्सव के मूल उद्देश्य विस्मृत होते जा रहे हैं। अब उत्सव खुद को देखने या तराशने के लिए नहीं, दुनिया को दिखाने के लिए आयोजित होने लगे हैं। ऐसा करने से समाज या जन्म सामान्य को कोई प्रेरणा नहीं मिलती। उल्टे ऐसे उत्सवों से संपत्ति, समय और शक्ति का निरर्थक व्यय होता है। जरूरी है कि आधुनिक समाज उत्सवों के संदर्भ में वैचारिक क्रांति करें। ङ्गङ्गबुधवार को ही मरुधर शांति भवन में आचार्य विमलसागरसूरीजी, गणि पद्मविमलसागरजी और स्थानकवासी श्रमणसंघ के उपप्रवर्तक नरेश मुनिजी, शालिभद्र मुनिजी आदि साधु-संतों का सद्भाव मिलन हुआ।

दोनों ही परंपराओं के बड़े गुरुजनों के बीच चले आ रहे करीब पचास वर्षों के मैत्री संबंधों को इस अवसर पर याद किया गया। सभी ने आधुनिकता की विकृतियों से समाज को बचाने पर बल दिया। बंगाल के राजपूत परिवार के 92वें वर्षीय जैनाचार्य पद्मसागरसूरीश्वरजी और दिल्ली के ब्राह्मण परिवार के स्वर्गस्थ पुष्कर मुनिजी के बीच ज्ञान, साहित्य और सामाजिक समरसता के घनिष्ठ रिश्ते थे। महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में जैनाचार्य की प्रेरणा से हुब्बल्ली के समग्र जैन समाज के लिए महाआरती का आयोजन भी हुआ। घंटों तक लोगों ने प्रभुभक्ति में तन्मय बनकर दीप जलाकर सामूहिक आरती की। जैन मरुधर संघ के मंत्री दिनेश संघवी ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

निःशुल्क डायबिटिक रेटिनोपैथी जांच शिविर में लाभान्वित हुए 380 लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेंटर द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर मंगलवार को अर्पण ग्रुप के सहयोग से निःशुल्क डायबिटिक रेटिनोपैथी जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन बेंगलूरु सिटी के पूर्व पुलिस आयुक्त भास्कर राव ने किया। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य विशेष रूप से जैन समाज के मधुमेह रोगियों के लिए डायबिटिक रेटिनोपैथी के प्रति जागरूकता फैलाना एवं निःशुल्क नेत्र जांच सुविधा उपलब्ध कराना था। शिविर में जांच के अलावा विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा परामर्श दिया गया तथा संस्था द्वारा आवश्यकता अनुसार दवाइयों एवं चश्मे दिए गए।

इस शिविर में 380 लोग लाभान्वित हुए। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष विजयराज सिसोदिया, उपाध्यक्ष मनोज बाफना, कोषाध्यक्ष पदम भूरट, मुख्य सचिव आशिक पिरगल, सलाहकार रमेश दक,कैलाश संकलेचा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

गोड़वाड़ भवन में आज सजेगी वीर हनुमान की झांकी

हनुमान सेवा समिति मना रही है 'हनुमान जन्मोत्सव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के लालबाग रोड़ क्रॉस स्थित गोड़वाड़ भवन में गुरुवार 2 अप्रैल को वीर हनुमानजी के प्राकट्योत्सव के मौके पर स्थानीय 'हनुमान सेवा समिति' द्वारा 'श्री हनुमान जन्मोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में श्री हनुमान जी की विशेष झांकी सजाई जाएगी।

समिति अपनी 31वीं वार्षिक प्रस्तुति के रूप में गुरुवार को अपराह्न 3 बजे से आयोजन स्थल पर संगीतमय

सुन्दरकांड का पाठ रख रही है जिसमें जसवंतगढ़ नागरिक परिषद के मुख्य हरिकिशन सारड़ा और उनकी टीम द्वारा संगीतमय सुन्दरकांड की प्रस्तुति दी जाएगी। शाम को 6 बजे से स्थानीय गायक प्रभात करनाणी व शाम 7 बजे से बनारस की सुप्रसिद्ध गायिका पुष्पा बनर्जी द्वारा इस आयोजन में हनुमानजी के भजनों की प्रस्तुतियाँ दी जाएँगी।।

रात्रि 9.30 बजे मंगल आरती व महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है।आयोजन को सफल बनाने के लिए हनुमान सेवा समिति के साथ शहर की अनेक सामाजिक धार्मिक संस्थाएं जुड़ी हुई हैं ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु हनुमान जन्मोत्सव में शामिल हो सकें। आयोजकों ने सभी हनुमान भक्तों को कार्यक्रम में आने का न्यौता दिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

बीएपीएस के गुरुहरि महंत स्वामी महाराज ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। उन्होंने बिरला के लिए उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर राष्ट्रसेवा करने की कामना की। इस दौरान बिरला ने बीएपीएस की वैश्विक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और मानवीय गतिविधियों की सराहना की।

महावीर जयंती पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रभु महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के अवसर पर आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं तेरापंथ युवक परिषद, बेंगलूरु के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को फ्रीडम पार्क में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं प्रशिक्षित स्टाफ द्वारा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से 335 लोगों की जांच की। शिविर की प्रमुख सेवाओं में विटामिन बी-12 टेस्ट एवं किडनी फंक्शन टेस्ट किए गए और 168 व्यक्तियों ने निःशुल्क दंत चिकित्सा जांच का लाभ उठाया। मार्गदर्शन फाउंडेशन के कमलेश डूंगरवाल, भरत डूंगरवाल के सौजन्य से आयोजित इस शिविर के अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों, चिकित्सकों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्व शांति, विकास व प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है अहिंसा : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा बन्नरघट्टा रोड के तत्वावधान में एक श्रावक के निवास पर मंगलवार को साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'क्या विश्व को अहिंसा की जरूरत है' विषय को लेकर महावीर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि भगवान महावीर शांति,अहिंसा के साक्षात प्रतिमूर्ति थे। विश्व शांति मानव जाति के अस्तित्व, विकास व प्रगति के लिए अत्यंत आवश्यक है अहिंसा। आदमी की सुविधा, असंयम, भोगप्रदान जीवन शैली हिंसा को उत्तेजित करती है। भगवान महावीर ने अहिंसा का प्रशिक्षण दिया,हृदय परिवर्तन हमारे अधिकार की मनोवृत्ति, शस्त्र निर्माण का भय, घृणा आदि से मुक्ति प्राप्त कराकर सामुदायिक जीवन को अच्छा बनाता है। अहिंसक समाज में कुछ विशेष प्रकार की हिंसा सर्वथा वर्जन हो, जैसे युद्ध, निरापराध प्राणियों की हत्या, भ्रूण हत्या, मीडिया पर नियंत्रण आदि। नशायुक्त वस्तुओं का सेवन करने से बचना चाहिए। हम सभी भगवान महावीर के आदर्श सिद्धांतों को अपनाकर जीवन ,समाज ,राष्ट्र को विकास की ओर बढ़ाते रहे ।ङ्गसाध्वीश्री मार्दवश्रीजी ने कहा कि भगवान महावीर इस धरती पर अवतरित हुए तो यह धरती आलौकिक हो गई। उनकी तपस्या की प्रभा और क्रांति ने जन -जन के मन में आध्यात्मिक शक्तियों का जागरण कर दिया। उनकी अहिंसामय दृष्टि को अपनाने वाला अपने रिश्तों को अच्छा बना समाज को सुसंस्कृत बनाए रख सकता है।

साध्वी मनीषाश्रीजी एवं रौनकप्रभाजी ने विचार व्यक्त किए। अनेक श्रावक श्राविकओं ने अंडे युक्त केक खाने का त्याग कर संकल्प लेकर महावीर जयंती मनाई। सभा के मंत्री दिलीप खाटेड़ ने साध्वीश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

प्रस्तावित सालासर मंदिर में आज सजेगा बालाजी का दरबार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सालासर बालाजी सेवा समिति के तत्वावधान में बीटीएम लेआउट रांका कॉलोनी स्थित निर्माणाधीन सालासर बालाजी मंदिर पर आज मंगलवार को 'आंजनेय महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम संपन्न होंगे। इस मौके पर सालासर मंदिर प्रांगण में पवनपुत्र, संकटमोचन श्री बालाजी महाराज का विशेष दरबार सजाया जाएगा। 2 अप्रैल को महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9 बजे से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होगा, विद्वान पंडितों द्वारा 9 कुंडीय हवन किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 2:30 बजे से पंडित मुरारी दाधीच

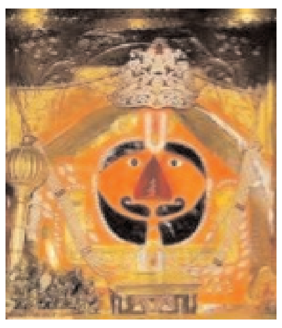

द्वारा सुंदरकांड पाठ का सामूहिक संगीतमय वाचन होगा। सायं 5.30 बजे से मंदिर प्रांगण में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया है जिसमें भजन गायक जयपुर के राजीव विजयवर्गीय द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। समिति ने सभी हनुमान भक्तों से आह्वान किया है कि इस महोत्सव में भाग लेकर बालाजी महाराज के दिव्य दर्शन का लाभ अवश्य लें।

जोजावर जैन संघ ने आयंबिल व्यवस्था सेवा में किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के फ्रीडम पार्क में आयोजित महावीर जन्म कल्याणक के मौके पर आयोजित आयंबिल व्यवस्था में दक्षिण भारतीय जोजावर जैन संघ के सदस्यों ने सेवा प्रदान की। इस सेवा कार्य में संघ के प्रमुख सदस्य व संयोजक जवेरीलाल गिरिया, नवरतन सिंघवी, मंजू सियाल एवं वर्षा भंसाली के नेतृत्व में मंडल के 40 से अधिक सदस्यों ने स्वयंसेवक के रूप में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस आयोजन के दौरान लगभग 300 से अधिक श्रद्धालुओं ने आयंबिल की तपस्या की।

इस अवसर पर जोजावर जैन संघ के अध्यक्ष हितेश गिरिया तथा महिला मंडल की अध्यक्षा मंजू सियाल उपस्थित थे।

वनबंधु परिषद की महिला समिति की साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वनबंधु परिषद की महिला समिति की वार्षिक साधारण सभा जयनगर होटल में सम्पन्न हुई। समिति की अध्यक्ष कांता काबरा ने सभी का स्वागत किया। चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, राष्ट्रीय महिला समिति की संगठन सहसचिव सरिता भंसाली, युवा समिति के अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़ और समिति की सलाहकार सुशीला गुप्ता की विशेष उपस्थिति थी। बैठक में लगभग 100 सदस्याएं शामिल हुई। प्रसिद्ध चित्रकार विजयश्री नटराजन ने कार्यक्रम स्थल पर सजीव चित्रकारी से गणेश जी का चित्र बनाकर कार्यक्रम की शुरुआत की।

समिति ने योग प्रशिक्षिका पूजा माहेश्वरी, बंजारा अकादमी की विजयश्री नटराज का सम्मान किया। सचिव अनीता जैन ने वार्षिक कार्यक्रमों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष मोना आंचलिया ने वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। साउथ जोन की सेवापात्र प्रभारी अंजना शर्मा ने सेवापात्र प्रोजेक्ट व संक्रांति योजना की प्रभारी सुनीता गुप्ता ने संक्रांति उपहार योजना के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। सह-वनयात्रा प्रभारी किरण लड्ढा ने वर्षभर की सभी वनयात्राओं का विवरण दिया। प्रदर्शनी प्रभारी विजय लक्ष्मी सारड़ा ने एकल मेले की जानकारी दी। मीडिया प्रभारी ज्योति भट्ट ने वर्षभर के स्टार प्रोजेक्ट्स के बारे में बताया। बैठक में सुनीता गुप्ता एवं मोना आंचलिया द्वारा तंबोला वादन किया गया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन सचिव अनिता जैन ने किया।

जैन रिलीफ फाउंडेशन ने वितरित किए निःशुल्क हेल्थकार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। परमात्मा महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के दौरान जैन रिलीफ फाउंडेशन कर्नाटक चैप्टर द्वारा मंगलवार को अनेक परिवारों को निःशुल्क हेल्थ कार्ड वितरित किए गए। फाउंडेशन के कर्नाटक संयोजक ललित डाकलिया ने बताया कि बेंगलूरु, हैदराबाद सहित देशभर के 28 राज्यों के 238 शहरों में यह हेल्थ कार्ड दस हजार छह सौ केन्द्रों में मान्य है।

कार्ड धारक को मरीज के अस्पताल में भर्ती होने पर, आऊट पेशेंट में डाक्टर्स को दिखाने पर, शारीरिक किसी भी तरह की जांच करवाने पर, दवाइयों की खरीद पर बिल में रियायत प्राप्त होती है। इस योजना में चुनिंदा अस्पताल, क्लिनिक, चेकअप लैब्स, मेडिकल स्टोर्स टाईअप सेन्टर शामिल हैं। इस मौके पर ललित डाकलिया, बीजल कोठारी, रेणु रांका आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

तेयुप राजाजीनगर के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का 300 लोगों ने लिया लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2625वें जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम द्वारा मानव सेवा के अंतर्गत आयोजित भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के मौके पर निःशुल्क मधुमेह, रक्तचाप, डेंटल चेकअप एवं त्वचा संबंधित रोगों का परामर्श प्रदान किया गया। शिविर में 75 लोगों ने रक्तशर्करा व रक्तचाप की जाँच करवाई। त्वचा विशेषज्ञ डॉ. विग्नेश नारायण ने 50 लोगों को त्वचा संबधित रोगों का परामर्श दिया तथा परीक्षण किया। केएलई डेंटल कॉलेज के सहयोग से 175 लोगों ने दांतों की जांच कराई।इस अवसर पर अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोहित कोठारी सहित राजाजीनगर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी व तेयुप के अध्यक्ष जितेश दक सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

तिरुचिरापल्ली और बेंगलूरु के बीच समर स्पेशल ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार गर्मियों के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए तिरुचिरापल्ली और सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलूरु के बीच चार फेरों वाली स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ट्रेन संख्या 06007 तिरुचिरापल्ली से 7, 14, 21 और 28 अप्रैल मंगलवार को सुबह 05:30 बजे रवाना होगी और उसी दिन दोपहर 01:30 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी।

वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06008 एसएमवीटी बेंगलूरु से 7, 14, 21 और 28 अप्रैल मंगलवार को दोपहर 03:00 बजे रवाना होगी और उसी दिन रात 10:30 बजे तिरुचिरापल्ली जंक्शन पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में करूर, नामक्कल, सेलम, बंगारपेट और कृष्णराजपुरम स्टेशनों पर रुकेगी। इस स्पेशल ट्रेन में दो एसी चेयर कार कोच, आठ सेकंड क्लास चेयर कार कोच, छह सेकंड क्लास अंत्योदय कोच, दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल डिब्बे वाला एक सेकंड क्लास लगेज-कम-ब्रेक वैन, और एक ब्रेक, लगेज और जनरेटर कार सहित कुल 18 कोच होंगे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**